INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवर्टाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-125 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 1 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

एचपीसीएल डिपो पर टैंकर ड्राइवरों का उग्र प्रदर्शन, बदसलूकी-बदइंतजामी से फूटा गुस्सा

रिफाइनरी पर 500 से ज्यादा टैंकरों ने जाम किया गेट

चालकों का आरोप पानी और शौचालय तक का इंतजाम नहीं

कर्मचारी करते हैं धक्का-मुक्की प्रबंधक ने वार्ता का दिया आश्वासन

एचपीसीएल डिपो पर मांगों को लेकर प्रदर्शन करते टैंकर चालक।

48 घंटे में व्यवस्था नहीं तो अनिश्चितकालीन आंदोलन

धरने का नेतृत्व कर रहे ड्राइवरों ने प्रबंधन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि अगर डिपो के अंदर पीने का पानी, साफ शौचालय, बैठने की छाया और कर्मचारियों के अभद्र व्यवहार पर रोक नहीं लगाई गई तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। अगर इंसान समझकर सम्मान नहीं देंगे तो टैंकर भी नहीं चलाएंगे। चालकों का कहना था कि इन मांगों के अलावा समस्या सुनने के लिए हेल्पडेस्क और प्रभारी नियुक्त किए जाएं।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को रिफाइनरी इंडस्ट्रियल एरिया साइट-बी स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड डिपो पर टैंकर ड्राइवरों का गुस्सा लावा बनकर फूट पड़ा। कर्मचारियों की रोजाना की बदसलूकी, धक्का-मुक्की और अन्य सुविधाओं के अभाव से परेशान 500 से ज्यादा टैंकर ड्राइवरों ने डिपो के मुख्य गेट पर धरना दिया, जिससे डिपो में डीजल-पेट्रोल की भराई ठप हो गई और पेट्रोल पंपों पर सप्लाई प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया।

धरने पर बैठे ड्राइवरों का कहना है कि पिछले कई महीनों से डिपो के प्रशासनिक स्टाफ का रवैया असहनीय हो गया है। बुजुर्ग ड्राइवरों से भी बदतमीजी की जाती है। जैसे ही टैंकर अंदर प्रवेश करता है, कर्मचारी गाड़ी क्लोज करने के नाम पर ड्राइवरों के साथ अभद्रता शुरू कर देते हैं। भीषण गर्मी में डिपो के अंदर पीने के पानी का एक भी वाटर कूलर नहीं है। शौचालय जर्जर हैं, बैठने के लिए कोई शेड या कुर्सी तक नहीं है। सेफ्टी के नाम पर जबरन डांगरी पहनने का फरमान है। जो ड्राइवर डांगरी नहीं पहनता या भूल जाता है, उसके टैंकर में डीजल-पेट्रोल भरने से इंकार कर दिया जाता है।

ड्राइवरों ने सबसे बड़ा आरोप भराई प्रक्रिया में दोहरे रवैये का लगाया। उनका आरोप था कि जब ऑटोमेटिक मशीन से भराई के दौरान 10 से 20 लीटर डीजल एक्स्ट्रा चला जाता है तो तुरंत गाड़ी सीज कर दी जाती है। वहीं यदि 10-20 लीटर डीजल कम भरता है तो सीधे ड्राइवर पर चोरी का इल्जाम लगा दिया जाता है, गाड़ी को रोककर घंटों परेशान किया जाता है। वही एचपीसीएल डिपो गेट पर सैकड़ों टैंकर कतार में खड़े होने से मथुरा शहर और आसपास के जिलों में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई बाधित होने का अंदेशा है। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि यदि भराई जल्द शुरू नहीं हुई तो 24 घंटे के अंदर कई पंपों पर स्टॉक खत्म हो सकता है। विवाद बढ़ता देख डिपो प्रबंधक विपिन आर्य से संपर्क किया गया। उन्होंने फोन पर कहा कि उनके संज्ञान में अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं आई थी। ड्राइवरों की जो भी समस्या है, हम गंभीरता से लेंगे। गाड़ी मालिकों और ड्राइवर यूनियन के साथ बैठकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर समस्या का स्थायी समाधान निकालेंगे। पीने का पानी और शौचालय की व्यवस्था प्राथमिकता पर होगी।

मृत बस चालक के खिलाफ दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 111 और 112 के समीप वॉल्वो बस के आगे चल रहे कंटेनर में घुस जाने के कारण चार लोगों की हुई मौत मामले में दुर्घटना में मृत एक सवारी के भाई ने बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मंगलवार तड़के यमुना एक्सप्रेस वे पर लखनऊ से दिल्ली जाती गोला ट्रैवल्स की बस ओवर स्पीड के चलते सामने चल रहे कंटेनर में पीछे से घुस गई। दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 27 सवारियों घायल हुई थी। मरने वालों में शामिल खुर्शीद अंसारी और मुबारक उन्नाव के बांगरमऊ कस्बे के मौहल्ला मैदागंज के रहने वाले थे। दोनों पड़ोसी थे और दोनों दिल्ली में खुर्शीद अनसारी के बहनोई के कारखाने में कपड़ों की सिलाई करते थे। वहीं दुर्घटना में हरिओम विश्वकर्मा निवासी मौहल्ला जायस कासिमपुर थाना बहादुरपुर जिला अमेठी दिल्ली में टैक्सी चलाता था। वह बच्चों से मिलकर दिल्ली के लिए लौट रहा था। बस में सवार अधिकांश सवारियों का कहना था कि बस चालक ओवर स्पीड में गाड़ी चला रहा था। इस मामले में मृतक खुर्शीद अनसारी के भाई दानिश अनसारी की तहरीर पर थाना राया में मृतक बस चालक गांव नगला भूरे थाना कुर्रा जनपद मैनपुरी निवासी उपदेश के खिलाफ बस को लापरवाही से चला कर दुर्घटना करने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। बताया गया कि खुर्शीद अंसारी और मुबारक ड्राईवर की समीप अगली सीट पर बैठे हुए थे। इस हादसे में चालक समेत चार लोगों की मौत हुई थी।

एक्सप्रेस वे हादसा

दुर्घटना में चालक सहित चार लोगों की हुई थी मौत

बस को 100 की स्पीड से अधिक पर चला रहा था

जिले में कल से होगी 15 केंद्रों पर यूपी-टेट परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टेट) 2026 की परीक्षा जिले में दो से चार जुलाई तक होगी। परीक्षा के लिए 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि निगरानी के लिए 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 15 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी।

पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम पांच बजे तक होगी। जिला प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षार्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने और आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है।

आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त ग्रामीणों का प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। बसई खुर्द गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त मिलने पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

प्रशासन का कालाबाजारी के खिलाफ सख्त अभियान

छाता में चावल से भरे दो ट्रक पकड़े, 500 क्विंटल माल जब्त

संवाददाता

यूनिक समय, छाता। प्रशासन ने बुधवार बीती रात बड़ी कार्रवाई करते हुए कस्बा से चावल से भरे दो ट्रकों को मुखबिर की सूचना पर पकड़ लिया। पकड़े गए ट्रकों में लगभग 500 कुंटल चावल लदा होने की आशंका जताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम और एसडीएम वैभव गुप्ता ने खुद मौके पर पहुंचकर जांच की कमान संभालीं।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों को देर रात लगभग एक बजे सूचना मिली थी कि संदिग्ध रूप से चावल से भरे दो ट्रक कस्बे से गुजर रहे हैं। मौके पर पहुंची टीम ने दोनों ट्रकों को कब्जे में ले लिया और छाता कोतवाली को सुपर्द कर दिया।

पकड़े चावल को ट्रक से ट्रैक्टर ट्राली में उतारते हुए मजदूर। समीप खड़े हैं अधिकारी।

ट्रकों में लोड चावल से भरे बोरों को खाली कराने के लिए ट्रैक्टर मंगाए गए हैं। खबर लिखे जाने तक आपूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश उपाध्याय ,लेखपाल ललितेश पांचाल ,अरविंद सिंह, जसविंदर सिंह आदि लेखपालों की टीम की मौजूदगी में चावल के बोरों को ट्रकों से नीचे उतारने और उनकी गिनती का काम तेजी से चल रहा था।

इतनी बड़ी मात्रा में चावल कहां से लाया जा रहा था और इसे किस कंपनी या किस जगह पर सप्लाई किया जाना था, इसे लेकर रहस्य बना हुआ है। प्रशासनिक टीम ने दोनों ट्रक ड्राइवरों को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में पाया कि यह चावल एलियांज कंपनी शेरगढ़ रोड छाता से आया है।

अधिकारियों का कहना है कि कागजात की जांच की जा रही है और चालकों और संबंधित के खिलाफ सख्त वैधानिक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मौके पर पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लेखपालों की पूरी टीम मुस्तैद है जो माल की तौल और जब्ती की रिपोर्ट तैयार कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि चावल के अवैध परिवहन या कालाबाजारी की हर एंगल से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो पाएगी, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA
Mathura Branch of CIRC of ICAI (Setup by an Act of Parliament)
CA INDIA
78 वें चार्टर्ड एकाउन्टेंटस् दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
CA CHANDRESH KHANDELWAL SECRETARY
CA PRAVEEN AGRAWAL TREASURER
CA LOKESH VARSHNEY CHAIRMAN
CA RAHUL GARG VICE CHAIRMAN
CA DHARMENDRA GOYAL CICASA CHAIRMAN
CA RAHUL CHAUDHARY IMMEDIATE PAST CHAIRMAN
"य एष सुप्तेषु जागर्ति"
78वें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस के इस ऐतिहासिक और गरिमामयी अवसर पर, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) की मथुरा शाखा की प्रबंध समिति सभी सम्मानित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, वरिष्ठ सदस्यों, प्रबुद्ध नागरिकों और भावी सीए छात्रों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देती है। 1 जुलाई 1949 को आईसीएआई (ICAI) की स्थापना के बाद से, देश की वित्तीय व्यवस्था को पारदर्शिता, मजबूती और एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी इसी निष्ठा और जिम्मेदारी के कारण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स देश की अर्थव्यवस्था के "पार्टनर इन नेशन बिल्डिंग" कहे जाते हैं।आइए, इस ऐतिहासिक दिवस पर हम सभी अपने व्यावसायिक मूल्यों, सत्यनिष्ठा और नैतिक सिद्धांतों को और सुदृढ़ करने का संकल्प लें और देश को आर्थिक ऊंचाइयों पर ले जाने में अपना अमूल्य योगदान जारी रखें।
जय हिंद! जय आईसीएआई!
CA. RAJESH KUMAR GUPTA Past Chairman
CA. KULDEEP KUMAR ARORA Past Chairman
CA. ASHWANI KHANDELWAL Past Chairman
CA. NITIN AGRAWAL Past Chairman
CA. HARI MOHAN AGRAWAL Past Chairman
CA. AMIT AGRAWAL Past Chairman
CA. JITENDRA KUMAR CHATURVEDI Past Chairman
CA. SANJEEV AGRAWAL Past Chairman
CA. ROHIT KAPOOR Past Chairman
CA. TARUN GUPTA Past Vice-Chairman
CA. ABHISHEK GARG
CA. SANDEEP AGRAWAL
CA. RAM KUMAR SARASWAT
CA. ALOK NAGAR
CA. VISHVANATH GOSWAMI
CA. SANJAY KHANDELWAL
CA.KAPIL AGRAWAL
CA.SURBHI AGRAWAL
CA. NEHA YADAV
CA. SONIYA AGRAWAL
CA. YOGESH BABU AGRAWAL
CA. AMIT KUMAR BANSAL
CA. SAGAR SARASWAT
CA. GAURAV GUPTA
CA ANKIT AGRAWAL
CA.PANKAJ GOYAL
CA. ASHUTOSH GAUTAM
CA. PARAG CHATURVEDI
CA MOHIT BANSAL
CA ABHISHEK BANSAL
CA. CHIRAG GARG
CA. NUPUR AGRAWAL
CA. LAVLESH VERMA
CA. ANKUR AGRAWAL
CA.CHIRAG AGRAWAL
CA. MANISH AGRAWAL
CA. VIPIN AGRAWAL
CA. RISHABH AGRAWAL
CA. RITIK AGRAWAL
CA. ROHIT GANGWANI
CA. GULSHAN KHANDELWAL
CA. PRATEEK AGRAWAL
CA. VAIBHAV RK GARG
CA. ARPIT AGARWAL
CA. GOPAL AGRAWAL
CA. RITIK RUHELA
CA. NAVNEET BANSAL
CA. HEMANT YADAV
CA. BRIJESH BINDAL
CA. SAURABH AGRAWAL
CA. KRISHNA CHATURVEDI
UPENDRA CHATURVEDI BRANCH STAFF
SAURABH AGRAWAL BRANCH STAFF
SUBHASH CHAUDHARY BRANCH STAFF
पता - ICAI भवन, B-12,13,14, राधिका विहार, फेज-II, मथुरा, फोन- 9358697932

पुलिस मुठभेड़ में दो लुटेरे गिरफ्तार

चालक से लूटी गई अर्टिगा कार बरामद

पुलिस की गोली से घायल हुआ एक बदमाश

देशी तमंचे और कारतूस भी पुलिस को मिले

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस की अर्टिका कार लूटने वाले बदमाशों के साथ अंडर पास के समीप मुठभेड़ हो गई। पुलिस और बदमाशों के बीच गोलियां चली। पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में लग गई। पुलिस ने घायल बदमाश सहित दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है और लूटी हुई अर्टिगा कार भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, मांट पुलिस टीम रात को गश्त कर रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि अर्टिगा कार को लूटने वाले लुटेरे गोरई अलीगढ़ की तरफ से आने वाले रोड से राधारानी मंदिर की तरफ जाने वाले अंडर पास की तरफ यमुना एक्सप्रेस वे की सर्विसरोड की तरफ होते हुए कूपगढ़ की ओर जा रहे हैं।

इस जानकारी पर पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की। पुलिस को देख कर

मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल बदमाश ले जाते पुलिसकर्मी।

बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश करन निवासी हरनौल थाना सुरीर के पैर में लगी। इसके साथ ही अवनेश निवासी सारसौल फल मंडी के पीछे नगला मुरारी उर्फ बावन थाना बन्ना देवी जिला अलीगढ़ को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को इनके पास से देशी तमंचे कारतूसों के अलावा लूटी हुई अर्टिगा कार भी बरामद हुई। पुलिस ने घायल बदमाश करन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया।

गौरतलब है कि दिल्ली निवासी पवन कुमार ऑन लाइन टेक्सी बुंकिंग में गाड़ी चलाता है। बताया गया कि 27 जून को तीन बदमाशों ने उसकी अर्टिगा गाड़ी को खेर के होडल हसनपुर चौराहे से रात में वृंदावन के लिए बुक किया था। इसके बाद बदमाशों ने मांट इलाके में देवराह बाबा आश्रम के समीप चालक की गर्दन में गमझा डालकर खींच लिया और उसके साथ मारपीट की।

बदमाश ने चालक को घायलावस्था में गाड़ी से नीचे फैंक दिया और कार को लूट कर भाग गए। पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया था और इसके बाद बदमाशो की तलाश शुरू की थी। पुलिस को आर्टिगा लूटने के मामले में करन, अवनेश और अरुन कुमार उर्फ अन्ना निवासी हरनौल के नाम प्रकाश में आए थे। पुलिस बदमाशों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी।

BSA COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MATHURA
A.S.M. POLYTECHNIC, MATHURA
Estd. 1997
AKTU CODE: 065 & 1182
BTE CODE: 1634 & 1227
Estd. 2017
BTEUP CODE: 1695
Established & Governed by Shri Agrawal Shiksha Mandal (Regd.), Mathura
Approved by A.I.C.T.E. & P.C.I. and Affiliated to A.K.T.U. & B.T.E.U.P., Lucknow
ADMISSION OPEN 2026-27
Courses Offered
Only College in the Region Affiliated to AKTU for
BBA & BCA
B.TECH. (CE, CSE, CSE (AI&ML), ECE, EE, ME) | MBA (FIN, HR, MKTG, IT, IB, OP) | MCA (2 YEAR PROGRAM)
B.PHARM. | D.PHARM.
POLYTECHNIC DIPLOMA (CE, CSE, ECE, EE, ME, ME(AUTOMOBILE), ME(PRODUCTION))
9105337818
Uma Shankar Agrawal (Adv.) (Chairman)
BSA Engineering College Road, Near New Bus Stand,Mathura

साहब, हमको पढ़ना है, जमीन वापस दिलवा दीजिए

शादी की बात सामने आने के बाद खुला जमीन हड़पने का भेद

परिजनों पर छल से जमीन आदि हड़पने की डीएम से शिकायत

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार दोपहर तीन बेटियां कलेक्ट्रेट आई। एक दिव्यांग बेटी ने डीएम के कार्यालय का रास्ता पूछा तो मौजूद लोग चौंक गए। तीनों ने सगे चाचा और ताऊ द्वारा किए गए छल की बात सुनाई तो सभी द्रवित हो गए। जानकारी के बाद तीनों डीएम कार्यालय में पहुंची, जहां डीएम तो नहीं थे, लेकिन एडीएम न्यायिक सुनवाई करते मिले।

एडीएम न्यायिक वेदप्रिय आर्य ने तीनों से आने की वजह पूछी तो छाता तहसील के गांव नौगांव से आई संध्या, चांदनी और करीना ने बताया कि उनके पिता वींरेंद्र की 2018 में मृत्यु हो गई थी।

पिता की मौत के बाद मां ने सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों के चलते दूसरा विवाह कर लिया। नियम और नैतिकता के आधार पर पिता वींरेंद्र के हिस्से की संपत्ति पर उनकी तीन बेटियों करीना, संध्या और चांदनी का हक था,

ताऊ और चाचा द्वारा हड़पी गई जमीन की शिकायत करने डीएम कार्यालय आई तीन बेटी।

लेकिन सगे चाचा और ताऊ की नियत संपत्ति देखकर डोल गई। करीना ने बताया कि 2022 में उनके दादा की मौत का फायदा उठाते हुए चाचा–ताऊ ने कथित तौर पर एक फर्जी वसीयत मौज नौगांव खसरा संख्या 683 तैयार करवा ली, जिसमें वींरेंद्र के हिस्से को गायब कर पूरी संपत्ति अपने नाम करा ली।

इस धोखाधड़ी के बाद तीनों बेघर हो चुकी हैं। उनके पास न तो रहने के लिए छत बची है और न ही भरण–पोषण का कोई साधन है। वह पढ़ना चाहतीं हैं, जबकि ताऊ और चाचा संपत्ति हड़पने के इरादे से शादी कराने पर उतारू हैं। इस पर एडीएम नयायिक वेदप्रिय आर्य ने एसडीएम छाता वैभव गुप्ता को इस प्रकरण में गंभीरता से जांच कराकर न्याय दिलवाने को कहा। बेटियों का कहना था कि वह इस मामले को लेकर एसएसपी से मिलेंगी और मुकदमा दर्ज कराने की मांग करेंगी।

वाहन चलाने वालों की लापरवाही बनी जाम की वजह

यूनिक समय, मथुरा। वाहन चलाने वालों की लापरवाही ही लोगों पर भारी पड़ रही है। एक- दूसरे से जल्दी निकालने की वजह से वाहन नए बस स्टैंड पुल के नीचे फंस रहे हैं, जिससे जाम भी लग रहा है।

ट्रैफिक पुलिस ऐसे लोगों के लिए क्या करे, जो अपने वाहनों को अपने तरीके से चलाते नजर आ रहे हैं। ऐसे लोग ना तो ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं और न सड़क पर खड़े ट्रैफिक कर्मियों की परवाह ।

हालांकि, नए बस अड्डे वाले मार्ग पर रेलवे द्वारा काम कराए जाने के कारण बड़े वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके बावजूद भी रेलवे पुल के दोनों ओर जाम लग रहा है। जाम की मुख्य वजह पुल से पहले रास्ता कम चौड़ा होना है। वहां दोनों ओर से आने वाले दुपिहया और कुछ चौपहिया वाहन चालक वाहनों को जल्दी निकालने के चक्कर में एक दूसरे के सामने अपने वाहनों को अड़ा देते हैं, जिसके चलते जाम लगता है। जाम लगने के बाद लोगों को काफी देर तक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

श्मशान भूमि पर 40 साल पुराना अवैध कब्जा ध्वस्त

गांव जचौंदा में अवैध कब्जा ध्वस्त कराते एसडीएम आदेश कुमार, साथ में पुलिस,राजस्व टीम।

जेसीबी चली तो खाली हुई एक एकड़ जमीन

एसडीएम की मौजूदगी में राजस्व- पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम जचौंदा के मजरा रामनगर में करीब 40 वर्ष से श्मशान भूमि पर चले आ रहे अवैध कब्जे का आखिरकार प्रशासन ने बुधवार को स्थायी समाधान कर दिया। राजस्व अभिलेखों में श्मशान भूमि के रूप में दर्ज खसरा संख्या 12, रकबा एक एकड़ पर किए गए कच्चे और पक्के निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त कर भूमि को कब्जा मुक्त करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमला तैनात रहा, जबकि अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

एसडीएम सदर आदेश कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग और थाना गोवर्धन पुलिस की संयुक्त टीम ने सुबह से ही कार्रवाई शुरू कर दी। जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध निर्माण हटाए गए और श्मशान भूमि को पूरी तरह खाली कराया गया। लंबे समय से चले आ रहे इस विवाद के समाप्त होने पर ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने भूमि का सीमांकन कर अभिलेखों के अनुसार कब्जा मुक्त कराते हुए सरकारी संपत्ति को सुरक्षित कराया। एसडीएम ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग की जमीनों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी, ग्राम समाज, श्मशान, तालाब और अन्य सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा, जहां भी अवैध कब्जे की शिकायत मिलेगी, वहां सख्त कार्रवाई करते हुए भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाएगा। इस सख्त कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया।

फरह चौराहे के समीप से 1.20 किलो गांजा बरामद

यूनिक समय, फरह । कस्बा के मुख्य चौराहे के निकट एक दुकान पर बुधवार शाम आगरा फील्ड यूनिट और फरह पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का खुलासा हुआ। इस दौरान पुलिस ने एक दुकान का ताला तोड़कर 1.20 किलो गांजा बरामद किया। कार्रवाई का नेतृत्व आगरा फील्ड यूनिट के एएसपी राकेश कुमार ने किया, उनके साथ सब इंस्पेक्टर रजनीश चौधरी, प्रदीप चौधरी और स्थानीय पुलिस मौजूद रही। छापेमारी की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बा और आसपास के गांवों में लंबे समय से गांजे की तस्करी और बिक्री चल रही है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई, इसका वास्तविक संचालक कौन है और इसकी आपूर्ति किन क्षेत्रों में की जानी थी। पुलिस संभावित सप्लाई नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। दुकानदार संजय का कहना था कि उसने दो दिन पूर्व दुकान को किराये पर दिया था। अब पुलिस फरार मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी है।

एस.आर.सी. नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट
(उ.प्र स्टेट मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त)
प्रवेश सूचना (2026–27)
ALLIED AND HEALTH CARE PROGRAMMES
DIPLOMA IN
Anaesthesia and Operation Theatre Technology.
संस्थान में प्रवेश उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ के मानको के अनुसार होंगे
आवेदन की अंतिम तिथिः 30/09/2026
ऑनलाइन आवेदन करें:– Srcnpimathura.in
पताः– रसूलपुर मथुरा | मो. 7055322211

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेण्टर
अब हम देंगे शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं
हर माता-पिता को बच्चे के दिल के बारे में यह जानकारी जरूरी है
बच्चों में हृदय रोग के लक्षण
• सांस फूलना • उचित आहार न ले पाना • छाती में दर्द • बार-बार सर्दी एवं खांसी होना • जन्म के वक्त शिशु के वजन में कमी होना
• बार-बार निमोनिया होना • दूध पीते वक्त ज्यादा पसीना आना • होठ, नाखून व जीभ का नीला पड जाना • हाथ टखनों व पैरों में सूजन
बच्चों में हृदय से संबंधित होने वाली प्रमुख बीमारियां निदान
मायोकार्डिटिस (Myocarditis) हृदय की मांसपेशियों में होने वाली सूजन को कहते हैं. यह स्थिति आमतौर पर किसी वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी या फ्लू) के कारण होती है, जिससे हृदय की खून पंप करने की क्षमता कम हो जाती है और धड़कनें अनियमित हो सकती हैं
दिल में छेद (Heart Defect) आमतौर पर जन्मजात होता है, जो गर्भावस्था के 30 से 35 दिनों के दौरान भ्रूण का दिल ठीक से न बनने के कारण होता है.
कावासाकी रोग (Kawasaki Disease) एक दुर्लभ बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें शरीर की रक्त वाहिकाओं (विशेषकर हृदय की कोरोनरी धमनियों) में सूजन आ जाती है, जिससे तेज बुखार और चकत्ते जैसे लक्षण उभरते हैं
Dr Arpita Mishra
Consultant Pediatrician and Pediatric Cardiology
MBBS, DNB Pediatrics(Lilavati Hospital,Mumbai)
Fellowship Pediatric Cardiology (MUHS)
Sathya Sai Sanjeevani Hospital, Mumbai
Assistant Professor KD Medical College
ओ.पी.डी. समय
प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक
24/7 EMERGENCY SERVICES
उपलब्ध सुविधाएं
Neonatonal Echo
नवजात शिशुओं (जन्म से लेकर 28 दिनों तक के बच्चों) के हृदय की एक विशेष प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांच होती है. यह जांच नवजात शिशु के दिल की बनावट, आकार, कार्यप्रणाली और रक्त प्रवाह की सटीक तस्वीर दिखाती है।
Pediatric Echo
टेस्ट में बच्चे के फीटस या फिर भ्रूण की संरचना, हृदय गति या इसकी लय का आकलन किया जाता है। इस टेस्ट के माध्यम से भ्रूण के हार्ट चैम्बर, वाल्व, रक्त वाहिकाएं और रक्त प्रवाह की जांच आसानी से हो सकती है।
अत्याधुनिक आपरेशन थियेटर | NICU-PICU | ब्लड बैंक | पैथोलॉजी
अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400, 7088105741
ECHS की सुविधा

अल नीनो का खतरा, खेती बचाने उतरा कृषि विभाग

कम वर्षा और सूखे से निपटने की योजना तैयार

खतरे से निपटने को कृषि विभाग ने बनाई विशेष कार्ययोजना

किसानों को दलहन और तिलहन की खेती को बांटा जा रहा अनुदान पर बीज

यूनिक समय, मथुरा। खरीफ सीजन में अल नीनो के संभावित खतरे और सूखे की आशंका से कृषि विभाग अलर्ट मोड पर है। खेती को सुरक्षित रखने और किसानों को नुकसान से बचाने के लिए विभाग ने तैयारी भी शुरू कर दी है। जिला स्तर पर आकस्मिक कृषि योजनाएं तैयार कर लागू की जा रही हैं, ताकि बारिश में देरी या सूखे जैसी स्थिति में भी किसानों को राहत मिल सके।

कृषि विभाग ने सूखे या कम बारिश की संभावना को दृष्टिगत रखते किसानों को धान का बीज अनुदान पर बांटा गया है, जिसमें पीबी1672,पीबी 1718,पीबी 1509, पीबी 1692 आदि समेत कई प्रजातियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें रोग लगने की संभावना भी कम रहती है।

कृषि विभाग ने कीट- रोग नियंत्रण के लिए पर्याप्त मात्रा में कृषि रक्षा रसायनों और बायोपेस्टीसाइड की उपलब्धता भी तय की है। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने बताया कि कम बर्षा और अल नीनो के प्रभाव से निपटने के लिए किसानों को तिलहन और दलहन फसलों की बोआई के लिए बीज भी उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान कल्याण केंद्रों से इसका वितरण भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले में खरीफ सीजन के दौरान 2,12774 हेक्टेयर रकबा में फसल बोआई का काम होता है, फिलहाल 48072 हेक्टेयर रकबा में यह काम हो चुका है। कपास, अरहर, ज्वार, मक्का और बाजरा का रकबा अच्छा है, धान रोपाई का काम अभी तक केवल 10 प्रतिशत से कम ही हुआ है। धान रोपाई 1,04604 हेक्टेयर रकबा में होती है, जो अब तक केवल 10148 हेक्टेयर रकबा में हो चुकी है।

मोटे अनाज की खेती को किया जाएगा प्रोत्साहित

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार के अनुसार, कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए किसानों को दलहनी फसलों और मोटे अनाज की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर, उर्द, मूंग, तिल समेत कई फसलों के बीजों की व्यवस्था की गई है। मिनी किट के माध्यम से किसानों को मुफ्त बीज वितरण की योजना भी चल रही है। बताया कि विभाग द्वारा डीएसआर तकनीक से धान की सीधी बोआई को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लगभग 20 प्रतिशत पानी की बचत होगी।

हरी खाद बोआई को वरीयता

कम वर्षा के वजह से कृषि विभाग किसानों को खेतों में नमी बनाए रखने के लिए मेड़बंदी, मल्चिंग, वर्मी कंपोस्ट और हरी खाद के उपयोग की सलाह किसानों को दी जा रही है। किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह व्हाट्सएप ग्रुप और एसएमएस के माध्यम से सीधे मोबाइल पर भेजी जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड के तहत अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। कृषि विभाग अल नीनो के हर संभावित संकट से निपटने और किसानों की आय सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह भी हो रहे उपाय

सिंचाई के मल्चिंग, स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई जैसी पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान आदि योजनाओं के जरिए सुरक्षा जाल दिया जा रहा है। उर्वरकों की कोई कमी न हो, इसके लिए नैनो यूरिया के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है, कालाबाजारी रोकने को निगरानी समितियां बनाई गई हैं।

सील प्रतिष्ठानों को राहत देने को वृंदावन में मंथन

टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर में कल होगी अहम बैठक

तीन सदस्यीय समिति गठित, व्यापारियों से होगी वार्ता

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ में 22 जून को एक कोचिंग सेंटर में हुई आगजनी की घटना के बाद प्रदेशभर में अग्नि सुरक्षा और भवन निर्माण मानकों को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मथुरा और वृंदावन में जिला प्रशासन ने कोचिंग सेंटर, होटल, गेस्ट हाउस और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कराई। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा और भवन निर्माण से संबंधित गंभीर खामियां मिलने पर उन्हें सील कर दिया गया, जबकि कई अन्य भवन स्वामियों को निर्धारित मानकों का पालन करने और मानचित्र स्वीकृत कराने के लिए नोटिस जारी किए गए।

कार्रवाई के बाद सील किए गए प्रतिष्ठानों के संचालकों और भवन स्वामियों ने प्रशासन से राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि वे सभी आवश्यक नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए तैयार हैं। इस संबंध में कई व्यापारिक संगठनों ने भी जिला प्रशासन और मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण को ज्ञापन सौंपकर सील हटाने और समस्याओं के समाधान की मांग की है।

इन मामलों के निस्तारण के लिए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट और प्राधिकरण के सचिव की अध्यक्षता में एक संयुक्त समिति गठित की गई है। समिति की बैठक 2 जुलाई को अपराह्न तीन बजे वृंदावन स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) में आयोजित होगी।

बैठक में जिला प्रशासन, नगर निगम, अग्निशमन विभाग, विद्युत विभाग और विकास प्राधिकरण के अधिकारी शामिल होंगे। सबसे पहले सील किए गए प्रतिष्ठानों के भवन स्वामियों और संचालकों की समस्याएं सुनी जाएंगी। इसके बाद उन्हें भवन निर्माण, अग्नि सुरक्षा और अन्य आवश्यक मानकों को पूरा करने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य सुरक्षा नियमों से समझौता किए बिना ऐसे प्रतिष्ठानों को नियमानुसार राहत देने की संभावनाओं पर विचार करना है, ताकि आवश्यक कमियां दूर होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जा सके।

व्यापार मंडल ने साहनी को दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि की बैठक नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल की अध्यक्षता में भरतपुर गेट स्थित व्यापार मंडल कार्यालय में हुई। बैठक में नगर महामंत्री सुनील साहनी के पिता- समाजसेवी स्व. ओमप्रकाश साहनी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। सभी व्यापारियों ने मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री, गुरमुख दास, राकेश अग्रवाल, महावीर मित्तल, दिलीप कुमार पांडे, राजनारायण गौड़, राजवीर सिंह,भोला यादव, रवि अग्रवाल, कल्याण दास अग्रवाल, विकास जिंदल, नागेंद्र वर्मा, प्रेमशंकर अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, महेश गुप्ता, रामनरेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, गिरधारी शरण सर्राफ, दीपक अग्रवाल, विजयवीर सिंह, दिनेश लोहिया, अश्वनी गर्ग, लक्ष्मण दास कालरा, अशोक अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, गिरीश खंडेलवाल, बालकृष्ण चतुर्वेदी, सचिन चतुर्वेदी, जगत बहादुर अग्रवाल, मीनालाल अग्रवाल,शरद चतुर्वेदी, पूरन सिंह,उपेंद्र चतुर्वेदी, प्रमोद खंडेलवाल, पंकज शर्मा,मुकेश अग्रवाल, सर्वेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। संचालन नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने किया।

नववर्ष मेला समिति की बैठक कल

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि संवत् 2083 की पूर्व संध्या पर आयोजित हुए नववर्ष मेला की समीक्षा बैठक दो जुलाई को सायं 6.30 बजे सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में होगी। बैठक में संघ के वरिष्ठ अधिकारी, मेला समिति के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, प्रतियोगिता समिति सदस्य उपस्थित रहेंगे। मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया है कि बैठक में रजत जयंती वर्ष का स्मृति चिन्ह और प्रकाशित स्मारिका नवप्रवाह का वितरण भी होगा।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

30 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,40,930

22 कैरट 1,29,185

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,40,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्वास्थ्य नायकों को सम्मानित कर मनाया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

चिकित्सक देश के हेल्थकेयर सिस्टम की नींव: मनोज अग्रवाल

केडी मेडिकल कॉलेज में नेशनल डॉक्टर्स डे पर हुए विविध कार्यक्रम

नेशनल डॉक्टर्स डे पर मंचासीन अतिथि तथा कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सक और छात्र–छात्राएं।

पीजी छात्र को सम्मानित करते प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बुधवार को विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया गया। अतिथियों ने डॉ. बिधान चंद्र रॉय के कृतित्व और व्यक्तित्व की सराहना करते हुए जन स्वास्थ्य रक्षा के प्रति पूरे समर्पण से लगे उत्कृष्ट पीजी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के प्रयासों से आयोजित नेशनल डॉक्टर्स डे का शुभारंभ केडी विश्वविद्यालय के प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अरुण अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, उप प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. अमनजोत कौर चौहान आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण- दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल ने डॉक्टरों के बेहतरीन प्रोफेशनलिज्म और मानवता के प्रति उनकी सेवा की सराहना की। उन्होंने चिकित्सकों को देश के हेल्थकेयर सिस्टम की नींव बताते हुए उम्मीद जताई कि डॉक्टरों का निस्वार्थ समर्पण और मजबूती देश को प्रेरित करती रहेगी।

डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने कहा कि डॉक्टर्स डे सिर्फ कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि डॉक्टरों द्वारा प्रतिदिन दिखाई जाने वाली कड़ी मेहनत, समर्पण और करुणा की मान्यता है। यह दिवस जन स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति डॉक्टरों के समर्पण और अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। उन्होंने चिकित्सकों का आह्वान किया कि वे अपने सेवाभावी कार्यों से उच्च मानक स्थापित कर केडी हॉस्पिटल का गौरव बढ़ाएं और डॉ. बिधान चंद्र रॉय का अनुसरण कर समाज के सामने नजीर पेश करें।

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने मानवता की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन न्योछावर करने वाले डॉ. बिधान चंद्र रॉय के समर्पण, करुणा, कौशल और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। उप–प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर ने सभी विभागाध्यक्षों और चिकित्सकों को लोगों की तकलीफें दूर करने, जान बचाने और मरीजों की देखभाल के ऊंचे मानदंड बनाए रखने के लिए उनके अथक प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। संचालन डॉ. सोनम बिलावारिया ने किया, जबकि डॉ. अमनजोत कौर चौहान ने आभार जताया।

केदारनाथ धाम को पैदल निकले कंचन फौजी

केदारनाथ यात्रा पर निकले कंचन सिंह फौजी को तिलक लगाकर रवाना करते परिजन।

यूनिक समय, सुरीर। अधिक मास में आए श्रद्धालुओं की सेवा करने के बाद मन में जागी आध्यात्मिक भावना ने गांव बिजऊ निवासी कंचन सिंह (फौजी)को भगवान शिव की नगरी केदारनाथ तक पैदल यात्रा के लिए प्रेरित किया तो उन्होंने बुधवार को करीब 500 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा का शुभारंभ किया।

कंचन सिंह ने यात्रा शुरू करने से पहले सुरीर कलां स्थित बनखंडी महादेव शिव बाबा के दर्शन कर पूजा–अर्चना की। कस्बा सुरीर के पेंठ बाजार और नया बाजार से होते हुए बस स्टैंड स्थित माता रानी के मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद लिया और केदारनाथ धाम के लिए पदयात्रा प्रारंभ की। यात्रा के शुभारंभ पर परिजनों, मित्रों और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। डीजे की धुन पर महिलाओं - पुरुषों ने जमकर नृत्य किया। कंचन सिंह ने बताया कि अधिक मास के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा करने का अवसर मिलने के बाद उनके मन में भगवान शिव के दर्शन के लिए पैदल केदारनाथ जाने की प्रबल इच्छा जागी। इस अवसर पर साहब सिंह, गोला प्रजापति, कृष्णा ठाकुर, शुभम वार्ष्णेय, पंकज,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी का कांग्रेसियों ने किया स्वागत

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का स्वागत करते जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। राया कट पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम को स्वागत किया।

स्वागत को राया कट पर बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता

यमुना एक्सप्रेस–वे के रास्ते दिल्ली से लखनऊ जाने के दौरान जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता राया कट पर पहुंचे, जहां उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर बधाई देते हुए राजेंद्र पाल गौतम का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि राजेंद्र पाल गौतम के संगठनात्मक अनुभव, जन सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता और संघर्षशील व्यक्तित्व का लाभ उत्तर प्रदेश कांग्रेस को मिलेगा। स्वागत करने वालों में पूर्व अध्यक्ष उमेश शर्मा, आदित्य तिवारी, कुंवर सिंह निषाद, मनोज गौड़, विपुल पाठक, बलवीर प्रधान, महेश चौबे, ललिता देवी, गीता दिवाकर, आशीष अग्रवाल,अमित राज, हासिम हुमेर, लक्ष्मन धनगर, करन निषाद, महेश चौबे, सरवन अहमद वेदांत शर्मा, रूपेश धनगर, मानवेंद्र पांडव, डॉ सी एस आनंद, हाकिम सिंह छौंकर, केके गौतम, धर्मेंद्र चौधरी, राजेश सारस्वत के अलावा अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता हैं।

आकाश सिम्स हॉस्पिटल में केक काटकर मनाया डॉक्टर्स डे

डॉक्टर्स डे पर आकाश सिम्स हास्पिटल में केक काटते चिकित्सक।

यूनिक समय, मथुरा। आकाश सिम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. गौरव भारद्वाज के नेतृत्व में वरिष्ठ चिकित्सकों ने केक काटकर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया, एक-दूसरे को केक खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर आकाश सिम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि हमें अपने डॉक्टर्स पर गर्व है, जो दिन-रात मरीजों का इलाज करके उनको जीवनदान देते हैं। इस अवसर पर डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. बृजेंद्र कुमार तिवारी, डॉ. पंकज शर्मा,डॉ. (ले.क.) मनोज कुमार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. अंजू गुप्ता, डॉ. हिमांशु जैन, डॉ. शिखा सिंह शर्मा, डॉ. रमनीश प्रजापति, डॉ. लव गुप्ता, डॉ. अभिषेक चौधरी, डॉ. रितेन गोयल, डॉ. शिवकुमार चाहर, डॉ. कुलवंत सिसोदिया, डॉ. दाऊ दयाल त्यागी, डॉ. सारिका गौतम, डॉ. मेघना गुप्ता, डॉ. विष्णु शर्मा आदि चिकित्सक उपस्थित रहे। हॉस्पिटल में ब्रजवासियों की स्वास्थ्य सेवा के लिए अत्याधुनिक एम.आर.आई. जीई सिग्ना क्रिएटर 3टी (प्लेटफॉर्म) की जांच मात्र 3000 रुपये में 31 जुलाई तक की जाएगी।

वृंदावन में साधु–संतों ने डॉक्टरों को किया सम्मानित

संयुक्त जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में डा. वंदना अग्रवाल को सम्मानित करते हरिदासीय पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू आदि।

यूनिक समय, वृंदावन । राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर संयुक्त जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में डाक्टरों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में हरिदासीय पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू के सानिध्य में क्षेत्र के प्रमुख साधु–संतों और प्रबुद्ध जनों ने अस्पताल में सेवारत चिकित्सकों का शॉल- दुपट्टा ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। मोहिनी बिहारी शरण ने कहा कि चिकित्सक का पेशा केवल एक आजीविका नहीं, बल्कि मानव कल्याण का सबसे बड़ा माध्यम है।

सीएमएस डॉ. वंदना अग्रवाल ने कहा कि संतों के आशीर्वाद और सराहना से पूरी डॉक्टर टीम का मनोबल और अधिक बढ़ गया है। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद गौतम, भागवत प्रवक्ता अनमोल शास्त्री आदि ने विचार व्यक्त किए। महंत रामदास ने सभी का आभार जताया।

इस अवसर पर डॉ. विनय गुप्ता, डॉ. करीम अख्तर कुरैशी, डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. विनीत यादव, डॉ. नंदिता, डॉ. निशा, ईशा यादव, प्रियंका, सुरभि, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की रैली से संभव अभियान 2026 की शुरुआत

तीन महीने चलेगा मां–बच्चों के पोषण का महाअभियान

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जागरूक रैली का शुभारंभ करतीं सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता।

तीन महीने तक गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और कुपोषित बच्चों पर रहेगा विशेष ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मां और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बुधवार को राजीव भवन से बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जागरूकता रैली निकाली गई। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर 'संभव अभियान–2026' की शुरुआत की। यह अभियान जुलाई से सितंबर तक पूरे जिले में चलाया जाएगा।

सीडीओ ने बताया कि इस बार अभियान की थीम गर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा रखी गई है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को सही पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जुलाई में मातृत्व पोषण, अगस्त में छह महीने तक के बच्चों की देखभाल और सितंबर में बच्चों को समय पर ऊपरी आहार देने और पोषण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने कहा कि इन तीन महीनों में गर्भवती महिलाओं, कम वजन वाले नवजात शिशुओं और कुपोषित बच्चों की पहचान की जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर उनकी जानकारी लेंगी, स्वास्थ्य जांच कराएंगी, परिवारों को सही खान–पान की सलाह देंगी और जरूरत पड़ने पर बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा जाएगा। इस मौके पर बाल विकास परियोजना अधिकारी (ग्रामीण) शशि मिश्रा, बाल विकास परियोजना अधिकारी (शहर) अशोक कुमार सिंह,डॉ. पारूल, मुख्य सेविकाएं और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुईं।

बत्ती गुल...नींद गायब, छिना सुकून

शहर और जिले में बिजली कटौती से लोग परेशान

उमस और गर्मी का असर और सता रहा शरीर को

यूनिक समय, मथुरा। जिले में अघोषित बिजली कटौती लोगों की नींद और गर्मी सुकून छीन रही है। शहरी क्षेत्र के कई हिस्सों में चार से पांच घंटे बिजली गुल रही, जबकि गांवों में बिजली सप्लाई की स्थिति और खराब है, वहां छह से सात घंटे बिजली कटौती की जा रही है। ट्रिपिंग भी मुश्किल खड़ी कर रही है।

शहरी क्षेत्र के उपकेंद्रों से जुड़े मोहल्लों में मंगलवार रात से सुबह सात बजे के बीच करीब एक से चार घंटे तक बिजली गुल रही। इस वजह से लोगों को रतजगा करना पड़ा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, लोड बढ़ने के कारण हाईटेंशन लाइन ब्रेकडाउन होने की वजह से बिजली गुल हुई है।

यमुना पार में तो बिजली सप्लाई का हाल बदतर है, यहां लोगों को उमस और गर्मी के बीच रात छत पर काटनी पड़ी। सदर बाजार में भी बिजली की समस्या से लोग प्रभावित होते रहे। कुछ ऐसी ही समस्या कृष्णा नगर क्षेत्र में बनी हुई है, यहां भी सप्लाई दिन में कई बार प्रभावित होने से लोग उमस से बेहाल होते रहे। राधा टाउन, नवादा और औरंगाबाद में भी लोग बिजली समस्या से परेशान दिखे।

फरह कस्बा में रात से सुबह तक कई बार बिजली कटौती से लोग अकुला गए। सुबह सप्लाई मिलने से लोगों को राहत मिली। गांव परखम के वीरी सिंह और करनपुर के रोहित उपाध्याय ने बताया कि कई दिन से बिजली सप्लाई सही नहीं मिल पा रही है, इससे रात के समय परेशानी होती है। नगला बांस के रोहन ने बताया कि करीब एक सप्ताह से रात में बिजली गुल होने से नींद हराम हो गई है। नगरा के गोपाल ने बताया कि बत्ती ने सुकून छीन लिया है। रात में मनमानी कटौती की जा रही है। मुख्य अभियंता ने बताया कि हाईटेंशन लाइन ब्रेक डाउन के चलते बिजली कटौती हो रही है। लोड बढ़ने से हाईटेंशन लाइन गर्म हो रही है। फॉल्ट से बचाने के लिए मेन लाइनों को बंद रखा जा रहा है।

विद्युत आपूर्ति को लेकर हाइवे जाम

ग्राम करवन के लोगों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। विद्युत कटौती को लेकर करमन टोल टैक्स बूथ के पास ग्राम करवन के ग्रामीणों ने दिल्ली– आगरा हाइवे जाम कर दिया।

ग्रामीणों की मानें तो पिछले कई दिनों से गांव करवन में विद्युत आपूर्ति का बहुत बुरा हाल चल रहा है। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। इसी कारण आज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गांव के लोग घरों को छोड़कर हाइवे पर आ गए। नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया। मथुरा–दिल्ली हाइवे पर वाहनों की लंबी लाइन लगने की सूचना पर पुलिस बड़ी संख्या में पहुंच गई। ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत करने का प्रयास किया। ग्रामीणों का कहना कि उसम भरी गर्मी में बच्चों को बुरा हाल हो गया। रात में चैन की नींद आ रही है।

कोसीकलां के निकट ग्राम करवन पर हाईवे को जाम करते ग्रामीण। ग्रामीणों को समझाती पुलिस।

गोपीनाथ बाजार के लोग गुस्से में विद्युत संकट पर जोरदार प्रदर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। अघोषित विद्युत कटौती की समस्या को लेकर लोगों ने अधिकारियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। वैसे तो मंदिरों की नगरी के कई क्षेत्रों में विद्युत अव्यवस्था चल रही है। कहीं न कहीं फाल्ट हो रहे हैं। उसे सही करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि विद्युत आपूर्ति कब सुचारु होगी।

गोपीनाथ बाजार के लोगों ने विद्युत आपूर्ति की गड़बड़ा रही स्थिति को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के दौरान 24 घंटे में सिर्फ 2–3 घंटे बिजली मिल रही है। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, लोगों का जनजीवन बेहाल दिखाई दे रहा है। सुधार के नाम पर बिना सूचना घंटों बिजली कटौती का आरोप लगाया गया है। गौरा नगर, राजपुर, सेवाकुंज और पत्थरपुरा समेत कई क्षेत्रों में बिजली संकट चल रहा है। रंगजी मंदिर विद्युत सब स्टेशन के अधिकारी जनता को संतुष्टि भरा जवाब नहीं दे रहे है।

स्व. श्री ओमप्रकाश साहनी

उठावनी/उठाला

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य श्री ओमप्रकाश साहनी जी का गोलोकवास दिनांक 29.06.26 को हो गया है जिनकी उठावनी/उठाला आज दिनांक 02.07.26 दिन गुरुवार को महिलाओं एवं पुरूषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक चंपा अग्रवाल डैम्पियर नगर, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः– सरोज साहनी (पत्नी)
श्याम–नीरजा, नन्दलाल–रश्मि, अशोक साहनी
सुनील साहनी–कविता (पुत्र–पुत्रवधू)
(महामंत्री नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल
उपाध्यक्ष पंजाबी एसोशिएशन मथुरा)
निखिल–प्रियांशी (पौत्र–पौत्रवधू) प्रणय, खुशी (पौत्र–पौत्री)
नंदनी–अंबुज, अलीशा–मंयक, (पौत्री–दामाद)

फर्मः
• ओम जी ट्रेडिंग • ओम जी गारमेन्टस
• निखिल इन्टरप्राइजेज
सुभाष बाजार, तिलक द्वार मथुरा मो. 9045858260, 8439441442

गंगाजल प्रोजेक्ट के तहत बिछाई पाइप लाइन लीकेज

फव्वारा चलने से 100 कुंटल बाजरा की फसल भीगी

यातायात हुआ प्रभावित पुलिस पहुंची

संवाददाता

यूनिक समय, नौहझील। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर गंगाजल प्रोजेक्ट के तहत बिछाई गई पाइप लाइन के टेस्टिंग के दौरान यकायक लीकेज होने से हड़कंप मच गया।

लोगों के अनुसार दोपहर, जल जीवन मिशन के अधिकारियों की टीम की ओर से नवनिर्मित पाइपलाइन में ट्यूबवेल से पानी भरकर टेस्टिंग की जा रही थी। जैसे ही पानी का दबाव बढ़ा, नौहझील–शेरगढ़ मार्ग स्थित शीतला माता मंदिर के सामने मुख्य लाइन अचानक लीकेज हो गई। देखते ही देखते पानी ने एक विशाल फव्वारे का रूप ले लिया। इस तेज बौछार की चपेट में आने से लीकेज पॉइंट के पास स्थित किसान अशोक शर्मा की दो मंजिला दुकान में रखा करीबन 100 कुंतल बाजरा पूरी तरह भीग कर बर्बाद हो गया। करीब 15 मिनट तक यह तांडव चलता रहा, जिसके बाद अधिकारियों ने आनन–फानन में टेस्टिंग को बंद कराया। पीड़ित अशोक शर्मा ने जल जीवन मिशन के अधिकारियों पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए डीएम से उचित मुआवजे की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि अगर घनी आबादी वाले बाजार के बीच ऐसी लापरवाही दोबारा हुई तो बड़ा नुकसान हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जगदम्बा सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सड़क के दोनों ओर से आ रहे वाहन चालकों को रोका और पाइपलाइन बंद होने के बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। लोग अपने मोबाइल फोन से इस घटना का वीडियो बनाते दिखे।

नौहझील–शेरगढ़ मार्ग पानी की पाइप की लीकेज होने पर बाजार में फूटे फव्वारा का नजारा।

एसएसपी ने पांच अपराधियों पर घोषित किया इनाम

अपराधी को गिरफ्तार कराने वाले को मिलेंगे 20 हजार रुपये

मुठभेड़ में मारे जाने पर जांच के बाद मिलेगी इनाम की राशि

यूनिक समय मथुरा। एसएसपी ने थाना हाइवे के पांच अपराधियों की गिरफ्तारी पर 20–20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। अब अपराधियों पर उच्चाधिकारियों द्वारा अगर इससे अधिक का इनाम घोषित किया जाता है तो एसएसपी द्वारा घोषित इनाम स्वत ही समाप्त हो जाएगा।

एसएसपी श्लोक कुमार के पीआरओ ने प्रेस विज्ञिप्ति में कहा है कि थाना हाइवे में अपराधिक घटनाओं में शामिल महोली निवासी रवि पुत्र भीकम सिंह, रवि पुत्र लिल्लो, निरंजन पुत्र मनोहर और शिवा पुत्र रासो, लोकेश पुत्र राजवीर की गिरफ्तारी पर एसएसपी ने20–20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इन अभियुक्तों को जो भी बंदी बनाएगा या उनके द्वारा बंदी बनाए जाने के दौरान विरोध करने पर बल प्रयोग करके बंदी बनाएगा उसे 20 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। अगर इनमें से कोई भी अपराधी मुठभेड़ में मारा जाता है तो मुठभेड़ की जांच के बाद इनाम की धन राशि दी जाएगी। इन अपराधियों पर अगर कोई उच्चाधिकारी अधिक इनाम घोषित करता है तो इनाम की धनराशि उच्चाधिकारी द्वारा निर्धारित करने वाली ही दी जाएगी।

बरसात में बीमारियों से बचाव को शुरू हुआ विशेष अभियान

सीएमओ ने जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

पूरे जुलाई भर चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

11 जुलाई से घर–घर पहुंचेगी 'दस्तक' टीम

यूनिक समय, मथुरा। बरसात के मौसम में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य संक्रामक बीमारियों पर रोक लगाने के लिए जिले में बुधवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने सीएमओ कार्यालय से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 1 से 31 जुलाई तक चलेगा, जबकि 11 से 31 जुलाई तक 'दस्तक अभियान' के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग और नगर निगम मथुरा–वृंदावन मिलकर काम करेंगे। रैली में प्रशिक्षु एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नगर निगम कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। रैली के बाद आयोजित सभा में सीएमओ डॉ. राधा वल्लभ ने सभी कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिला मलेरिया अधिकारी चंद्र प्रकाश मिश्र ने लोगों से कहा कि वे अपने घर और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। पानी की टंकी, ड्रम और अन्य बर्तनों को हमेशा ढककर रखें और सप्ताह में एक बार उन्हें खाली करके साफ करें। जहां पानी हटाना संभव न हो, वहां मिट्टी का तेल या जला हुआ मोबिल ऑयल डालें, ताकि मच्छर पैदा न हो सकें। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. रोहिताश तेवतिया ने कहा कि मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी, मच्छररोधी क्रीम या नीम के तेल का इस्तेमाल करें और पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। यदि बुखार आए तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं। एस्प्रिन या ब्रूफेन जैसी दवाएं नहीं लेनी चाहिए। इस दौरान डॉ. अनुज चौधरी,जिला प्रशासनिक अधिकारी डॉ.अनुज यादव, नगरीय मलेरिया अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग, एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. हिमांशु,डॉ.पारूल शर्मा वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक संतोष तिवारी, मलेरिया निरीक्षक राहुल सिंह सिसौदिया, नितिन रस्तोगी सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान रैली के समापन के बाद शपथ लेते सीएसओ राधाबल्लभ, डॉ.रोहताश सिंह, डॉ.गोपाल गर्ग और डॉ.अनुज चौधरी आदि।

विश्व के सबसे कठिन प्रोफेशनल कोर्स में से एक है चार्टर्ड अकाउंटेंसी

यूनिक समय, मथुरा। हर साल एक जुलाई को मनाया जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस केवल एक पेशे का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में वित्तीय पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के संकल्प का प्रतीक है।

यह बात सीए अमित अग्रवाल ने बताते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) विश्व के सबसे चुनौतीपूर्ण-प्रतिष्ठित प्रोफेशनल कोर्सों में से एक मानी जाती है। कठिन अध्ययन, उच्च स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही कोई विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट बन पाता है।

उनका मानना है कि आज के डिजिटल और वैश्विक आर्थिक परिवेश में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका केवल ऑडिट और टैक्सेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे वित्तीय सलाहकार, जोखिम प्रबंधन विशेषज्ञ, कॉर्पोरेट गवर्नेंस के संरक्षक और देश की आर्थिक व्यवस्था के सशक्त प्रहरी के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

सीए अमित अग्रवाल।

सुविचार

खामोशी का भी अपना एक अलग शोर होता है।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	09:38-11:20 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	09:27-11:46 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:32 AM	चन्द्रोदय	09:11 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	08:11 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:45AM -12:50 PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	02:06 PM: 03:48 PM		वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने की संभावना है। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नए अवसर उत्साह और लाभ देंगे।

मिथुनः नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बनेंगे। निर्णय सोच-समझकर लेना लाभकारी रहेगा।

कर्कः नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। अनावश्यक विवादों से बचें।

सिंहः सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, सकारात्मक सोच बनाए रखें।

कन्याः कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। खानपान और दिनचर्या संतुलित रखें।

तुलाः साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलेगा। रिश्ते मजबूत होंगे। खर्च बढ़ सकता है। धैर्य और संयम से निर्णय लेना उचित रहेगा।

वृश्चिकः पुराने रुके कार्य पूरे होंगे। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। परिवार का सहयोग उत्साह बढ़ाएगा।

धनुः शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी।

मकरः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। मेहनत रंग लाएगी। परिवार में खुशियां आएंगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें।

कुंभः नए संपर्क लाभ देंगे। व्यापार में प्रगति होगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव कम होगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीनः आय के नए स्रोत बन सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सकारात्मक सोच सफलता दिलाएगी।

रात में कपड़े धोना पड़ सकता है भारी

अशांति दे सकती है दस्तक

यूनिक समय, मथुरा। वर्षा ऋतु में लोग अक्सर गंदे या गीले कपड़े किसी भी समय धो लेते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार कपड़े धोने और सुखाने का भी उचित समय होता है। उज्जैन के वास्तु विशेषज्ञ आचार्य आनंद भारद्वाज बताते हैं कि गलत समय पर कपड़े धोना घर में नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित कर सकता है, जिससे धन, स्वास्थ्य और सुख-शांति पर बुरा असर पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में कपड़े धोने और खुले में सुखाने से कपड़ों में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर जाती है। यह ऊर्जा कपड़े पहनने वाले व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डालती है।

कार्यों में बाधाएं आती हैं, तनाव बढ़ता है और घर का वातावरण भी अशांत हो सकता है। यदि रात में कपड़े धोने की मजबूरी हो, तो उन्हें खुले में सुखाने से बचना चाहिए। आचार्य भारद्वाज के अनुसार दिन में कपड़े धोकर सुखाने से धूप की सकारात्मक ऊर्जा से कपड़ों में मौजूद नकारात्मक प्रभाव नष्ट हो जाते हैं। सूर्य की किरणें कीटाणु और ऊर्जा दोनों को शुद्ध करती हैं, जिससे कपड़े पहनने वाले व्यक्ति को भी मानसिक शांति मिलती है। वास्तु के अनुसार गुरुवार को कपड़े धोना, झाड़ू-पोछा करना या कबाड़ फेंकना भी अशुभ माना गया है। इससे घर में आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

MANNAT GROUP

घर में घोड़ा या हाथी, किसे माना जाता शुभ?

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में घर की सजावट के लिए कुछ प्रतीकों को शुभ माना जाता है। इनमें दौड़ते हुए घोड़ों की प्रतिमा और हाथी की मूर्ति प्रमुख हैं। दोनों का महत्व अलग-अलग माना जाता है और इन्हें आवश्यकता के अनुसार चुनने की सलाह दी जाती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार दौड़ते हुए घोड़े ऊर्जा, प्रगति, आत्मविश्वास और सफलता के प्रतीक हैं। करियर, व्यापार या शिक्षा में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले लोग घर या कार्यालय में सात दौड़ते घोड़ों की पेंटिंग या प्रतिमा लगाते हैं। ध्यान रहे कि घोड़ों का मुख घर के अंदर की ओर होना चाहिए। वहीं हाथी की मूर्ति शक्ति, बुद्धिमत्ता, स्थिरता और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है। ऊपर उठी सूंड वाला हाथी सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का संकेत माना जाता है। जोड़े में रखे हाथियों की मूर्ति पारिवारिक प्रेम और सामंजस्य का प्रतीक मानी जाती है। हालांकि ये सभी बातें वास्तु और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं। करियर में प्रगति के लिए घोड़े और घर में शांति व स्थिरता के लिए हाथी की मूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है।

सावन में कढ़ी खाने से क्यों किया जाता परहेज?

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना, व्रत और सात्विक जीवनशैली के लिए बेहद पवित्र माना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्याज, लहसुन और मांसाहार से दूरी बनाते हैं। कई घरों में कढ़ी-चावल खाने से भी परहेज किया जाता है। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, जिसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी कारण भी बताए जाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन में शरीर और मन की शुद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाता है। इसी वजह से ताजा, हल्का और सात्विक भोजन करने की सलाह दी जाती है। चूंकि कढ़ी दही से बनाई जाती है और उसका स्वाद खट्टा होता है, इसलिए इस पवित्र महीने में इसके सेवन से बचने की परंपरा है। मान्यता है

धार्मिक मान्यता में सात्विक भोजन का विशेष महत्व

बरसात में कमजोर होती है शरीर की पाचन क्षमता

कि खट्टे खाद्य पदार्थों का कम सेवन करने से व्रत और पूजा-पाठ के नियमों का पालन अधिक शुद्धता के साथ किया जा सकता है।

आयुर्वेद और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में वातावरण में नमी अधिक होने के कारण बैक्टीरिया और फंगस तेजी से पनपते हैं। ऐसे समय में दूध और दही से बने खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो सकते हैं। यदि दही से बनी कढ़ी ताजा न हो, तो उसके सेवन से पेट संबंधी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। आयुर्वेद यह भी मानता है कि वर्षा ऋतु में शरीर की पाचन शक्ति अपेक्षाकृत कमजोर हो जाती है। ऐसे में अधिक खट्टा, भारी या लंबे समय तक रखा हुआ भोजन गैस, अपच, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। यही वजह है कि इस मौसम में हल्का, ताजा और आसानी से पचने वाला भोजन खाने की सलाह दी जाती है।

हालांकि सावन में कढ़ी न खाने की परंपरा धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी है और इसका पालन व्यक्तिगत आस्था पर निर्भर करता है। यदि कढ़ी ताजी, स्वच्छ तरीके से तैयार की गई हो और किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी कोई विशेष समस्या न हो, तो उसका सेवन चिकित्सकीय द ष्टि से व्यक्ति की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

दरवाजे पर लगा जूते-चप्पलों का ढेर रोक सकता है तरक्की

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर की साफ-सफाई और व्यवस्थित व्यवस्था को सुख-समृद्धि से जोड़ा गया है। मान्यता है कि घर में मौजूद कुछ छोटी लापरवाहियां नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने का कारण बन सकती हैं और आर्थिक प्रगति में बाधा डाल सकती हैं।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार घर में नल का टपकना, पाइप से पानी का रिसाव या दीवारों में सीलन को शुभ नहीं माना जाता। वहीं मुख्य दरवाजे पर जूते-चप्पलों का ढेर या बेकार सामान रखने से भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होने की मान्यता है।

टूटा फर्नीचर, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान या टूटे सजावटी सामान लंबे समय तक घर में रखने से भी बचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा आईने की सही दिशा और रसोई व

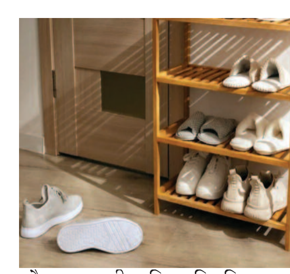

शौचालय की उचित स्थिति का भी वास्तु में विशेष महत्व बताया गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर में समय-समय पर कपूर जलाना, सेंधा या समुद्री नमक का उपयोग करना तथा उत्तर दिशा में मनी प्लांट रखना शुभ माना जाता है। हालांकि, ये सभी बातें पारंपरिक वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं। घर की स्वच्छता, सकारात्मक माहौल और व्यवस्थित जीवनशैली ही सुख-शांति का सबसे महत्वपूर्ण आधार मानी जाती है।

सोने की अंगूठी पहनने का एक छोटा नियम, बदल सकता है आपकी किस्मत!

यूनिक समय, मथुरा। सोना भारतीय संस्कृति में केवल एक कीमती धातु नहीं, बल्कि शुभता, समृद्धि और सम्मान का प्रतीक भी माना जाता है। शादी-विवाह से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक सोने के आभूषणों का विशेष महत्व है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में भी सोने की अंगूठी धारण करने के कुछ नियम बताए गए हैं। माना जाता है कि यदि सोने की अंगूठी सही उंगली में पहनी जाए तो यह सकारात्मक परिणाम दे सकती है, जबकि गलत उंगली में पहनने से अपेक्षित लाभ नहीं मिलते और जीवन में बाधाएं बढ़ने की आशंका रहती है।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सोने का संबंध सूर्य और गुरु ग्रह से माना जाता है। इसलिए सोने की अंगूठी तर्जनी (इंडेक्स फिंगर) या अनामिका (रिंग फिंगर) में पहनना शुभ माना जाता है। तर्जनी उंगली गुरु ग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। इस उंगली में सोने की अंगूठी पहनने से ज्ञान, शिक्षा, करियर, वैवाहिक जीवन और सामाजिक प्रतिष्ठा में सकारात्मक बदलाव आने की मान्यता है। वहीं अनामिका उंगली सूर्य ग्रह से जुड़ी मानी जाती है। इसमें सोने की अंगूठी धारण करने से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, यश, सरकारी कार्यों में सफलता और आर्थिक उन्नति मिलने की बात कही जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सोने की अंगूठी पहनने के लिए गुरुवार और रविवार को सबसे शुभ दिन माना जाता है।

गुरुवार गुरु ग्रह का और रविवार सूर्य देव का दिन माना जाता है। यदि अंगूठी में कोई रत्न जड़ा हो, तो उसे संबंधित ग्रह और रत्न के नियमों के अनुसार ही धारण करना चाहिए।

वहीं मध्यमा उंगली में सोने की अंगूठी पहनने से बचने की सलाह दी जाती है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार मध्यमा उंगली का संबंध शनि ग्रह से होता है, जबकि सोने का संबंध सूर्य से माना गया है। सूर्य और शनि के विपरीत स्वभाव के कारण इस उंगली में सोना पहनना शुभ नहीं माना जाता। ऐसी मान्यता है कि इससे कार्यों में रुकावट, मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान, विवाद या निर्णय लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इन दावों का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और ये पूरी तरह धार्मिक एवं ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं।

यदि आप सोने की अंगूठी केवल फैशन के लिए पहनते हैं तो यह आपकी व्यक्तिगत पसंद है, लेकिन यदि इसे ज्योतिषीय लाभ के उद्देश्य से धारण करना चाहते हैं, तो किसी योग्य ज्योतिष विशेषज्ञ से सलाह लेने के बाद ही पहनना बेहतर माना जाता है।

सम्पादकीय

दफ्तरों में होंगी कम बैठकें, जनता के काम और होंगे तेज

दफ्तर किसी भी शासन व्यवस्था की कार्यशाला होते हैं। यहीं लिए गए निर्णय जनता के जीवन को प्रभावित करते हैं। लेकिन वर्षों से सरकारी कार्यालयों की पहचान लंबी बैठकों, अनावश्यक औपचारिकताओं और फैसलों में देरी के कारण बनी रही है। आम नागरिक अक्सर इस जवाब से निराश लौटता रहा कि अधिकारी बैठक में व्यस्त हैं। ऐसे माहौल में केंद्र सरकार की नई कार्य–संस्कृति संबंधी पहल प्रशासनिक सुधार की दिशा में स्वागतयोग्य कदम मानी जानी चाहिए।

पवन गौतम
संपादक

बैठकों की अवधि अधिकतम 60 मिनट तय करना, स्पष्ट एजेंडा रखना और ऐसे मामलों पर बैठक न बुलाना जिन्हें ई–मेल, फोन या डिजिटल माध्यम से निपटाया जा सकता है, समय के बेहतर प्रबंधन की सोच को दर्शाता है। इससे अधिकारी केवल चर्चा में समय बिताने के बजाय निर्णय लेने और योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिक समय दे सकेंगे। इससे सरकारी कामकाज में गति आने की उम्मीद भी बढ़ेगी। नई व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष अधिकारियों और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा है। अवकाश से पहले या बाद में अनावश्यक बैठकों से बचने तथा भोजन के समय जटिल एजेंडा न रखने जैसे निर्देश कार्यस्थल पर तनाव कम करने का प्रयास हैं। स्वस्थ और संतुलित कर्मचारी अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकता है, जिसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा। हालांकि केवल दिशा–निर्देश जारी कर देना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे बड़ी चुनौती वर्षों से चली आ रही लालफीताशाही, पदानुक्रम की कठोर मानसिकता और जवाबदेही की कमी है। जब तक वरिष्ठ अधिकारी कनिष्ठ कर्मचारियों के सुझावों को महत्व नहीं देंगे और निर्णय प्रक्रिया को सहभागी नहीं बनाएंगे, तब तक वास्तविक बदलाव अधूरा रहेगा। दुनिया के कई विकसित देशों ने समय प्रबंधन और परिणाम आधारित कार्यशैली को अपनाकर प्रशासनिक दक्षता बढ़ाई है। भारत भी उसी दिशा में कदम बढ़ा रहा है, लेकिन इसकी सफलता मजबूत निगरानी व्यवस्था पर निर्भर करेगी। बैठकों के निर्णय, उनकी समयसीमा और परिणामों की डिजिटल निगरानी सुनिश्चि त करनी होगी। सुशासन केवल नियम बनाने से नहीं, बल्कि उन्हें ईमानदारी से लागू करने से स्थापित होता है। यदि नई कार्य–संस्कृति व्यवहार में उतरती है तो सरकारी दफ्तरों की छवि बदलेगी, निर्णय तेज होंगे और जनता का प्रशासन पर विश्वास पहले से अधिक मजबूत होगा। यही किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता होगी।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

युद्ध ने बदला ईरान का सत्ता संतुलन और भविष्य

बोध प्रकाश सगुणी

युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, वह देशों की राजनीति, समाज और भविष्य को भी गहराई से प्रभावित करता है। किसी भी सैन्य संघर्ष का असर केवल हथियारों की ताकत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सत्ता की संरचना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और राष्ट्रीय सोच को भी बदल देता है। हालिया ईरान–अमेरिका–इजराइल तनाव ने एक बार फिर यह साबित किया है कि युद्ध का परिणाम अक्सर वही नहीं होता जिसकी कल्पना उसके रणनीतिकार करते हैं। जिस संघर्ष का उद्देश्य ईरान की सैन्य शक्ति को सीमित करना और उसकी राजनीतिक व्यवस्था पर दबाव बनाना था, उसने उल्टा देश के भीतर सैन्य प्रतिष्ठान को पहले से अधिक मजबूत बना दिया।

इतिहास गवाह है कि बाहरी हमले अक्सर किसी देश की सरकार को कमजोर करने के बजाय उसके भीतर मौजूद सबसे कठोर शक्ति केंद्रों को मजबूत कर देते हैं। जब कोई राष्ट्र खुद को बाहरी खतरे से घिरा महसूस करता है, तब जनता के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता सुरक्षा बन जाती है। ऐसे समय लोकतांत्रिक बहस, राजनीतिक मतभेद और सुधार की मांगें पीछे छूट जाती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर सत्ता का केंद्रीकरण तेज हो जाता है और सैन्य संस्थाओं का प्रभाव बढ़ने लगता है। ईरान में भी यही स्थिति उभरती दिखाई दे रही है।

ईरान पहले से ही एक जटिल राजनीतिक व्यवस्था वाला देश है, जहां निर्वाचित सरकार, संसद, धार्मिक नेतृत्व और सुरक्षा संस्थानों के बीच शक्ति का संतुलन बना रहता था। हालांकि यह व्यवस्था पश्चिमी लोकतंत्र जैसी नहीं थी, फिर भी वहां सीमित राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, चुनाव और सार्वजनिक विमर्श की गुंजाइश मौजूद थी। लेकिन युद्ध ने इस संतुलन को बदल दिया। अब राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च मुद्दा बन गई है और सैन्य प्रतिष्ठान का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह संवाद की जगह आदेश को प्राथमिकता देता है। लोकतंत्र सवाल पूछने की अनुमति देता है, जबकि युद्ध तत्काल निर्णय चाहता है। संकट के समय जनता भी अक्सर कठोर नेतृत्व को समर्थन देती है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देशों में युद्ध के दौरान सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका असाधारण रूप से बढ़ जाती है। ईरान में भी इसी प्रवृत्ति ने नागरिक संस्थाओं को अपेक्षाकृत कमजोर कर दिया है। यह स्थिति केवल ईरान तक सीमित नहीं है।

इतिहास में अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जहां बाहरी सैन्य हस्तक्षेप ने अपेक्षित राजनीतिक बदलाव लाने के बजाय नए संकट पैदा किए। इराक में लोकतंत्र स्थापित करने के नाम पर हुआ सैन्य अभियान वर्षों की अस्थिरता और हिंसा का कारण बना। अफगानिस्तान में दो दशक तक चले संघर्ष के बाद अंततः वही शक्ति फिर सत्ता में लौट आई, जिसे हटाने के लिए युद्ध शुरू किया गया था। इन अनुभवों ने स्पष्ट कर दिया कि मिसाइलें सरकारें गिरा सकती हैं, लेकिन स्थायी राजनीतिक व्यवस्था नहीं बना सकतीं।

ईरान के संदर्भ में भी यही प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या सैन्य दबाव वास्तव में राजनीतिक समाधान दे सकता है। किसी भी राष्ट्र की राजनीतिक व्यवस्था केवल बाहरी ताकत से नहीं बदलती। परिवर्तन तब स्थायी होता है, जब वह समाज के भीतर से पैदा हो। यदि बाहरी हमला राष्ट्रीय सम्मान पर चोट के रूप में देखा जाता है, तो जनता अक्सर सरकार की कमियों को भूलकर उसके पीछे खड़ी हो जाती है। यही मनोविज्ञान किसी भी सैन्य अभियान को अपेक्षित परिणाम से दूर ले जाता है। इस संघर्ष ने ईरान में राष्ट्रवाद की भावना को भी मजबूत किया है। जब कोई देश बाहरी चुनौती का सामना करता है, तब आंतरिक मतभेदों की जगह राष्ट्रीय एकता ले लेती है। विरोधी राजनीतिक दल भी सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार के साथ खड़े दिखाई देते हैं। ऐसे माहौल में सुधारवादी राजनीति कमजोर पड़ती है और कठोर नीतियों को जनसमर्थन मिलने लगता है। यही कारण है कि युद्ध के बाद किसी भी समझौते की संभावना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाती है। आने वाले समय में यदि परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर से वार्ता होती है, तो उसकी सफलता पहले जैसी आसान नहीं होगी। सैन्य सोच का मूल आधार सुरक्षा और रणनीतिक बढ़त होता है, जबकि कूटनीति का आधार समझौता और विश्वास निर्माण है। जब निर्णय प्रक्रिया में सुरक्षा संस्थाओं का प्रभाव बढ़ जाता है, तब समझौते की गुंजाइश स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाती है। इसलिए भविष्य की किसी भी वार्ता को पहले से अधिक जटिल माना जा रहा है। विश्व राजनीति के लिए भी यह घटनाक्रम कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। केवल आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य कार्रवाई या शक्ति प्रदर्शन किसी देश की नीतियों को स्थायी रूप से नहीं बदल सकते। अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल ताकत का खेल नहीं हैं, बल्कि उनमें इतिहास, संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और जनता की भावनाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी की जाती है, तो रणनीतिक सफलता भी राजनीतिक असफलता में बदल सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू लोकतांत्रिक संस्थाओं का भविष्य है। किसी भी समाज में संसद, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक संस्थाएं लोकतंत्र की रीढ़ होती हैं। युद्ध के दौरान इन संस्थाओं की भूमिका सीमित हो जाती है क्योंकि प्राथमिकता सुरक्षा को दी जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर होने लगती है। यह केवल ईरान की समस्या नहीं, बल्कि हर उस देश के लिए चेतावनी है जो लंबे समय तक सैन्य तनाव में रहता है।

आज दुनिया पहले से कहीं अधिक परस्पर जुड़ी हुई है। किसी एक क्षेत्र का युद्ध केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार, कूटनीति और सुरक्षा व्यवस्था तक पहुंचता है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव तेल की कीमतों से लेकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक स्थिरता तक को प्रभावित कर सकता है। इसलिए वहां स्थायी शांति केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक आवश्यकता भी है।

युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं होता। वह केवल तत्काल परिस्थितियों को बदल सकता है, लेकिन टिकाऊ शांति संवाद, विश्वास और राजनीतिक समझ से ही संभव है। यदि किसी देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और सत्ता पूरी तरह सैन्य सोच के अधीन चली जाती है, तो भविष्य में संघर्ष की संभावनाएं और बढ़ जाती हैं। इसलिए विश्व समुदाय को यह समझना होगा कि राजनीतिक समस्याओं का समाधान राजनीतिक प्रक्रिया से ही निकल सकता है। ईरान का वर्तमान घटनाक्रम दुनिया के लिए एक बड़ा सबक है। यह बताता है कि किसी राष्ट्र को हथियारों के बल पर बदलने की कोशिश अक्सर उल्टा परिणाम देती है। लोकतंत्र का विस्तार बमों से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और जनभागीदारी से होता है। यदि विश्व शक्तियां वास्तव में स्थायी शांति चाहती हैं, तो उन्हें सैन्य टकराव की जगह कूटनीति, सम्मान और सहयोग का रास्ता अपनाना होगा। यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व व्यवस्था की वास्तविक मजबूती भी।

विचार विंडो

बुजुर्गों को सम्मान, अपनापन और मानसिक सहारे की जरूरत

राम प्रकाश शर्मा

बदलते भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौतियों में से एक है–बुजुर्गों का बढ़ता अकेलापन। आर्थिक प्रगति, शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन रिश्तों की गर्माहट कहीं पीछे छूटती दिखाई दे रही है। आज ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं, जिनमें घर में अकेले रह रहे बुजुर्ग की कई दिनों बाद मृत्यु का पता चलता है। यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, बल्कि समाज की संवेदनाओं के क्षरण का संकेत भी होती है।

भारत तेजी से वृद्ध समाज की ओर बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या करोड़ों में होगी। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की चुनौती नहीं है, बल्कि पारिवारिक मूल्यों की भी परीक्षा है। यदि परिवार ही बुजुर्गों का सहारा नहीं बनेंगे, तो कोई भी सरकारी योजना उनके अकेलेपन और भावनात्मक पीड़ा को पूरी तरह दूर नहीं कर सकती।

संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। पहले एक ही छत के नीचे तीन–चार पीढ़ियां रहती थीं। अनुभव, संस्कार और अपनापन सहज रूप से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता था। अब एकल परिवारों में जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि रिश्तों के लिए समय निकालना कठिन होता जा रहा है। नौकरी, व्यवसाय और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बीच बुजुर्ग अक्सर स्वयं को उपेक्षित महसूस करते हैं।

पीढ़ियों के बीच विचारों का अंतर स्वाभाविक है। हर दौर की अपनी सोच और अपनी प्राथमिकताएं होती हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब इस अंतर को सम्मानपूर्वक स्वीकार करने के बजाय टकराव का कारण बना दिया जाता है। बुजुर्गों के अनुभवों को पुराना या अप्रासंगिक मान लेना उचित नहीं है। उन्होंने संघर्षों से भरा जीवन जिया है और उनके अनुभव आज भी परिवार के लिए मार्गदर्शक हो सकते हैं। दूसरी ओर, बुजुर्गों को भी नई पीढ़ी की बदलती परिस्थितियों को समझने का प्रयास करना चाहिए। संवाद और सम्मान ही इस दूरी को कम कर सकते हैं।

बढ़ती उम्र अपने साथ कई शारीरिक और मानसिक चुनौतियां लेकर आती है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, जीवनसाथी का साथ छूट जाना, सामाजिक दायरा सीमित होना और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना बुजुर्गों को मानसिक रूप से कमजोर बना सकती है। ऐसे समय उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों से पहले अपनेपन की होती है। परिवार

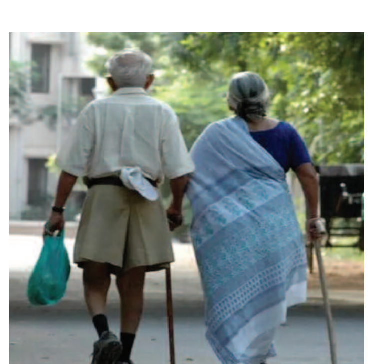

के साथ कुछ समय बिताना, उनकी बातें धैर्य से सुनना और उन्हें निर्णयों में शामिल करना उनके आत्मविश्वास को मजबूत करता है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि कई परिवारों में बुजुर्गों को बोझ समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कुछ मामलों में उन्हें अलग रहने के लिए मजबूर किया जाता है, तो कहीं वे स्वयं अपमान और उपेक्षा से तंग आकर वृद्धाश्रम का रास्ता चुन लेते हैं। वृद्धाश्रम जरूरतमंद लोगों के लिए सहारा हो सकते हैं, लेकिन यदि माता–पिता जीवित होते हुए भी अपने ही परिवार से दूर रहने को विवश हों, तो यह सामाजिक विफलता का संकेत है।

इस स्थिति के लिए केवल नई पीढ़ी को दोषी ठहराना भी पूरी तस्वीर नहीं है। बच्चों की परवरिश में भी बदलाव की जरूरत है। यदि बचपन से ही उन्हें केवल प्रतियोगिता, अंक और करियर की दौड़ सिखाई जाएगी, लेकिन परिवार, रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों का महत्व नहीं बताया जाएगा, तो वे पेशेवर रूप से सफल होकर भी भावनात्मक रूप से कमजोर बन सकते हैं। माता–पिता को बच्चों में संवेदनशीलता, सेवा और पारिवारिक उत्तरदायित्व के संस्कार विकसित करने होंगे। सरकार और समाज भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामुदायिक केंद्र, स्वास्थ्य सेवाएं, हेल्पलाइन, सामाजिक गतिविधियां और कानूनी संरक्षण आवश्यक हैं। लेकिन इन सबके बावजूद सबसे प्रभावी सुरक्षा परिवार ही दे सकता है। पड़ोसियों और स्थानीय समाज को भी अकेले रहने वाले बुजुर्गों पर समय–समय पर ध्यान देना चाहिए। एक छोटी–सी मुलाकात या हालचाल पूछने वाला फोन भी उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

आज तकनीक ने दूरियों को कम करने का दावा किया है, लेकिन भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है। वीडियो कॉल, संदेश और सोशल मीडिया उपयोगी हैं, पर वे परिवार के साथ बिताए गए वास्तविक समय का विकल्प नहीं बन सकते। विदेश या दूसरे शहर में रहने वाले बच्चों के लिए भी यह जरूरी है कि वे नियमित संवाद बनाए रखें और जरूरत पड़ने पर माता–पिता के साथ रहने या उनकी देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

भारतीय संस्कृति में माता–पिता को देवतुल्य माना गया है। यह परंपरा केवल धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का आधार भी है। जिस समाज में बुजुर्ग सम्मानित होते हैं, वहां अनुभव और ऊर्जा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वहीं, जहां बुजुर्ग उपेक्षित होते हैं, वहां परिवारों की जड़ें कमजोर पड़ने लगती हैं।

समय की मांग है कि हम अपने बुजुर्गों को दया का नहीं, सम्मान का अधिकार दें। उन्हें केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मानसिक संबल, आत्मीयता और संवाद की जरूरत है। यदि परिवार के युवा सदस्य प्रतिदिन कुछ समय अपने माता–पिता और दादा–दादी के साथ बिताने का संकल्प लें, उनकी भावनाओं को समझें और उन्हें अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाए रखें, तो अनेक समस्याएं स्वतः समाप्त हो सकती हैं। आखिर जिस पीढ़ी ने हमें चलना सिखाया, जीवन के अंतिम पड़ाव में उसका हाथ थामना हमारा कर्तव्य ही नहीं, हमारी संस्कृति और मानवता की सबसे बड़ी पहचान भी है।

आईसीसी रैंकिंग में बड़ा बदलाव

ईशान किशन बने दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज

अभिषेक शर्मा से छिना ताज

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। लंबे समय से नंबर–1 की कुर्सी पर काबिज भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अब अपना ताज गंवाना पड़ा है। उनकी जगह ईशान किशन ने शानदार छलांग लगाते हुए पहली बार दुनिया के नंबर–1 टी-20 बेबाज बनने का गौरव हासिल किया है। खास बात यह है कि टॉप–2 पर दोनों भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा है, जिससे टीम इंडिया का दबदबा साफ नजर आता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज शुरू होने से ठीक पहले जारी हुई आईसीसी रैंकिंग में ईशान किशन को एक स्थान का फायदा मिला है। उनकी रेटिंग बढ़कर 876 हो गई है, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी है। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर–1 का स्थान हासिल कर लिया। वहीं, अभिषेक शर्मा की रेटिंग घटकर 869 रह गई है और वह दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। हालांकि दोनों बल्लेबाजों के बीच केवल 7 रेटिंग अंकों का अंतर है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी फिर से नंबर–1 की कुर्सी पर कब्जा जमा सकता है। इस रैंकिंग अपडेट में पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी नुकसान उठाना पड़ा है। लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे सूर्या एक स्थान फिसलकर सातवें से आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी जगह इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर सातवें स्थान पर आ गए हैं। बटलर की रेटिंग 716 है, जबकि सूर्यकुमार यादव 708 रेटिंग अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं।

अब क्रिकेट फैंस की नजर भारत–इंग्लैंड टी-20 सीरीज पर टिकी है, जिसका पहला मुकाबला 1 जुलाई से खेला जाएगा। इस सीरीज में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी रैंकिंग में फिर बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। ऐसे में नंबर–1 की जंग और भी रोमांचक होने वाली है।

लॉक अप टू में कंगना रनौत की एंट्री से बढ़ेगा ड्रामा

पहले एलिमिनेशन में पॉच कंटेस्टेंट्स पर लटकी तलवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स का रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' इन दिनों लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। फराह खान और रितेश देशमुख की होस्टिंग में दर्शकों को जबरदस्त ड्रामा, खुलासे और मुश्किल टास्क देखने को मिल रहे हैं। अब शो का रोमांच और बढ़ने वाला है, क्योंकि पहले एलिमिनेशन वीकेंड में कंगना रनौत स्पेशल गेस्ट के रूप में एंट्री करने जा रही हैं।

हालांकि इस बार कंगना शो की फुल–टाइम होस्ट नहीं हैं, लेकिन पहले एलिमिनेशन एपिसोड में वह 'जनता की आवाज' बनकर कंटेस्टेंट्स के फैसले में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनकी एंट्री से वीकेंड एपिसोड में जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलने की उम्मीद है।

इस हफ्ते नॉमिनेशन में रियाज अली, सूफी मोतीवाला, श्रेया कालरा, श्रेष्ठा अय्यर और माधुरी ग्रोवर डेंजर जोन में हैं। इन पांचों में से एक कंटेस्टेंट शो से बाहर होने वाला पहला खिलाड़ी बनेगा, जिससे मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है।

कंगना ने शो में अपनी वापसी को लेकर कहा कि 'लॉक अप' हमेशा सच का सामना करने वाला शो रहा है। हर फैसले की एक कीमत होती है और इस वीकेंड दर्शकों को कई बड़े सरप्राइज देखने को मिलेंगे।

वहीं, शो की निर्माता एकता कपूर पहले ही साफ कर चुकी हैं कि सीजन 2 का फॉर्मेट पूरी तरह बदला गया है।

श्रेयस अय्यर के सामने चुनौती 2021 का डर बना है साया

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आने वाली सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। आयरलैंड दौरे पर लगातार दो हार के बाद टीम इंडिया दबाव में है और अब इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चुनौती और कठिन हो गई है।

श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह कप्तानी सौंपी गई थी, लेकिन उनके नेतृत्व में टीम का आगाज उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो मैच हारने के बाद टीम इंडिया सीरीज भी गंवा बैठी, जिससे कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। अब अगर इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम इंडिया हार से शुरुआत करती है, तो यह स्थिति 2021 जैसे पुराने खराब रिकॉर्ड की याद दिला सकती है, जब भारतीय टीम लगातार चार टी-20 इंटरनेशनल मैच हार गई थी।

सिर्फ टीम प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि श्रेयस अय्यर का व्यक्तिगत फॉर्म भी चिंता का विषय बना हुआ है। कप्तान होने के बावजूद वह बल्ले से बड़ा योगदान नहीं दे पा रहे हैं।

अब सभी की नजर इंग्लैंड सीरीज पर टिकी है, जो श्रेयस अय्यर की कप्तानी के लिए एक बड़ा टेस्ट साबित होगी। यहां प्रदर्शन तय करेगा कि उनका नेतृत्व आगे जारी रहेगा या नहीं।

हेयर ट्रांसप्लांट के बाद बदला जॉन सीना का लुक

सिर मुंडवाकर शेयर की फोटो

ईमानदारी पर फिदा हुए फैंस

यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉलीवुड स्टार और पूर्व हहए चैंपियन जॉन सीना एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या रेसलिंग मैच नहीं, बल्कि उनका नया और बदला हुआ लुक है। जॉन सीना ने हेयर ट्रांसप्लांट ट्रीटमेंट के दूसरे राउंड के बाद सिर मुंडवाकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसने कुछ ही घंटों में इंटरनेट पर तहलका मचा दिया।

जॉन सीना ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर डॉक्टर के साथ मुस्कुराते हुए एक फोटो पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने बताया कि उन्होंने फॉलिक्युलर यूनिट एक्सट्रैक्शन हेयर ट्रांसप्लांट का दूसरा राउंड सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्होंने लिखा कि इस बार उन्होंने बेहतर रिजल्ट पाने के लिए पूरी तैयारी की और इस पूरे सफर में उनका साथ देने के लिए अपने डॉक्टर और मेडिकल टीम का दिल से धन्यवाद भी किया।

सीना की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। हजारों लोगों ने उनकी खुलकर तारीफ की और कहा कि हेयर ट्रांसप्लांट जैसी निजी प्रक्रिया को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना और रिकवरी फेज की तस्वीर साझा करना बेहद साहसिक कदम है। फैंस का मानना है कि इससे उन लोगों को आत्मविश्वास मिलेगा जो हेयर लॉस की समस्या से जूझ रहे हैं या इस प्रक्रिया को अपनाने की सोच रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, "जॉन सीना सिर्फ रिंग में ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं।" वहीं दूसरे यूजर ने कहा कि आमतौर पर सेलिब्रिटीज इस तरह के बदलाव को छिपाते हैं, लेकिन जॉन ने इसे बेहद सहज तरीके से सामने रखकर इसे सामान्य बनाने की कोशिश की है, जो काबिल–ए–तारीफ है।

कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि सीना का यह कदम उन लोगों के लिए एक बड़ा संदेश है जो अपने लुक या हेयर लॉस को लेकर असहज महसूस करते हैं।

उनकी यह पारदर्शिता लोगों को खुद को स्वीकार करने की सीख देती है।

जॉन सीना की यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और वह लगातार ट्रेंड कर रहे हैं

जुलाई में होगा एंटरटेनमेंट का महाधमाका

यूनिक समय, नई दिल्ली। जुलाई का महीना इस बार सिर्फ मानसून की फुहारें ही नहीं, बल्कि मनोरंजन की जबरदस्त बारिश भी लेकर आया है। सिनेमाघरों में हर हफ्ते नई और बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। बॉलीवुड, साउथ और हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपनी किस्मत आजमाएंगी। ऐसे में फिल्म प्रेमियों के लिए यह महीना किसी फिल्मी फेस्टिवल से कम नहीं रहने वाला।

3 जुलाई से रिलीज का सिलसिला शुरू होगा। सबसे ज्यादा चर्चा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की स्पाई–एक्शन फिल्म 'अल्फा' की है। शिव रावल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसी दिन हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म 'बेबी डू डाई डू' भी रिलीज होगी, जिसमें वह एक सीरियल किलर के बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई देंगी।

10 जुलाई को कॉमेडी और एक्शन का डबल डोज मिलेगा। अजय देवगन की बहुचर्चित 'धमाल 4' लंबे समय बाद दर्शकों को हंसी का फुल डोज देने आ रही है। वहीं साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी की फैंटेसी–एक्शन फिल्म 'विश्वम्भरा' और अखिल अक्किनेनी की एक्शन एंटरटेनर 'लेनिन' भी इसी दिन रिलीज होकर बॉक्स ऑफिस की रौनक बढ़ाएंगी।

साउथ सिनेमा के प्रशंसकों के लिए 'नागबंधम' और 'राव बहादुर' जैसी फिल्में भी खास रहने वाली हैं। पौराणिक कहानी पर आधारित 'नागबंधम' कई भाषाओं में रिलीज होगी, जबकि 'राव बहादुर' अपनी अलग कहानी और दमदार अभिनय के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश करेगी।

महीने के आखिरी दौर में श्रेयस तलपड़े और काजल अग्रवाल स्टारर 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसी दिन 'उत्तर दा पुतर' और 'तेरा यार हूं मैं' जैसी फिल्में भी रिलीज होंगी। इसके अलावा हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की रिलीज भी जुलाई के बॉक्स ऑफिस मुकाबले को और रोमांचक बनाएगी।

कुल मिलाकर, जुलाई का हर वीकेंड दर्शकों के लिए नई कहानी, नए सितारे और अलग–अलग जॉनर का भरपूर मनोरंजन लेकर आएगा। अगर आप फिल्में देखने के शौकीन हैं, तो इस महीने आपका कैलेंडर पहले से ही बुक होने वाला है।

आयुष्मान खुराना बने 'मुपापा' का हिस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना एक बार फिर अपने अलग और हटके किरदार के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। वह फिल्म 'मुपापा' का हिस्सा बनने वाले हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा मेकर्स ने कर दी है। इस फिल्म को यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह दोनों बड़े प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलैबोरेशन माना जा रहा है। फिल्म का निर्देशन समीर सक्सेना करेंगे, जिन्होंने पहले 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली', 'परमानेंट रूममेट्स' और फिल्म 'जादूगर' जैसी चर्चित प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। मेकर्स के मुताबिक 'मुपापा' एक बिल्कुल अलग जॉनर की फिल्म होगी, जिसमें दर्शकों को नया और फेश कंटेंट देखने को मिलेगा। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को वैलेंटाइन वीक के बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हालांकि, अभी तक फिल्म की बाकी स्टारकास्ट का खुलासा नहीं किया गया है, जिससे दर्शकों में और उत्सुकता बढ़ गई है।

इंग्लैंड और यूएसए के सामने कठिन चुनौतियां

राउंड ऑफ 32 में रोमांच चरम पर

नॉकआउट स्टेज में बड़ा एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नॉकआउट मुकाबलों का रोमांच बढ़ता जा रहा है। राउंड ऑफ 32 में 1 और 2 जुलाई को तीन अहम मुकाबले खेले जाएंगे, जिन पर पूरी दुनिया के फुटबॉल फैंस की नजरें टिकी हुई हैं। अब तक सात टीमें राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थानों के लिए जंग जारी है।

सबसे बड़ा मुकाबला इंग्लैंड और डीआर कांगो के बीच खेला जाएगा। इंग्लैंड ने ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में से दो में जीत और एक में ड्रॉ हासिल किया था। दूसरी ओर, डीआर कांगो ने भी अपने ग्रुप में लड़ने का जज्बा दिखाया और महत्वपूर्ण मुकाबले जीतकर नॉकआउट में जगह बनाई। यह मैच भारतीय समयानुसार 1 जुलाई रात 9:30 बजे खेला जाएगा।

दूसरा बड़ा मुकाबला मेजबान अमेरिका और बोस्निया एंड हर्जेगोविना के बीच होगा। ग्रुप स्टेज में दमदार प्रदर्शन करने वाली अमेरिकी टीम घरेलू दर्शकों के सामने जीत दर्ज करने उतरेगी। यह मुकाबला 2 जुलाई सुबह 5:30 बजे खेला जाएगा।

वहीं एक अन्य मुकाबले में बेल्जियम और सेनेगल आमने–सामने होंगे। बेल्जियम ने अपने ग्रुप में टॉप करते हुए शानदार फॉर्म दिखाया है, जबकि सेनेगल ने तीसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में जगह बनाई है। यह मैच 2 जुलाई देर रात 1:30 बजे खेला जाएगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या बड़े दावेदार अपनी पकड़ मजबूत रखते हैं या कोई बड़ा उलटफेर देखने को मिलता है।

वीडियो कॉल पर भड़के बीजेपी विधायक

बीजेपी विधायक की फटकार के बाद एसडीएम का ट्रांसफर

शस्त्र लाइसेंस के नाम पर चार हजार रिश्वत

तहसील में भ्रष्टाचार का आरोप

यूनिक समय,बुलंदशहर। बुलंदशहर में भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा मामला सामने आया है, जहां भाजपा विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने शस्त्र नाम पर 4000 की रिश्वत लेने के आरोप लगाकर प्रशासनिक व्यवस्था में हलचल मचा दी। इस पूरे मामले का खुलासा एक वीडियो कॉल के दौरान हुआ, जिसके बाद तहसील स्तर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, विधायक को स्थानीय स्तर पर शिकायत मिली थी कि शस्त्र लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। शिकायत की पुष्टि के लिए उन्होंने सीधे संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया और वीडियो कॉल के जरिए एसडीएम दीपक पाल तथा उनके स्टेनो से बातचीत की। इसी दौरान कथित रूप से रिश्वत लेने से जुड़े संकेत सामने आए, जिसके बाद विधायक ने तुरंत कड़ा रुख अपनाया।

वीडियो कॉल पर ही विधायक ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि तहसील में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि "पूरी तहसील बिक चुकी है।" उनके इस बयान के बाद मामला और अधिक गंभीर हो गया और प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद तुरंत प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए एसडीएम दीपक पाल का ट्रांसफर कर दिया गया। इस कदम के बाद जिले के प्रशासनिक अमले में चर्चा तेज हो गई है और मामले की उच्च स्तरीय जांच की बात भी सामने आ रही है। विधायक के इस कदम को लेकर क्षेत्र में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई बता रहे हैं, जबकि प्रशासनिक हलकों में इसे एक बड़ी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

अखिलेश यादव बोले-राम हमारे थे, हैं और रहेंगे

बीजेपी पर आस्था और संविधान से खिलवाड़ का आरोप

यूनिक समय,लखनऊ। 53वें जन्मदिन के अवसर पर सपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में अखिलेश यादव ने बड़ा राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने कहा कि भगवान राम सभी सनातनियों के आराध्य हैं और हमेशा रहेंगे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा राम के नाम पर राजनीति करती है और धर्म, संविधान, आस्था तथा श्रद्धा के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा, "राम हमारे थे और हमेशा हमारे रहेंगे," साथ ही यह भी कहा कि भाजपा आस्था को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करती है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि देश में अब "नेशन फर्स्ट नहीं, डोनेशन फर्स्ट" की सोच हावी हो रही है।

उन्होंने राम मंदिर से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि आस्था के नाम पर उठ रहे सवाल गंभीर हैं, लेकिन सरकार सवाल पूछने वालों पर कार्रवाई कर सकती है। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई और कहा कि पेपर लीक की घटनाओं से गरीब परिवारों के बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल एक बार फिर गरमा गया है और सत्तापक्ष-विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज होने के संकेत हैं।

चढ़ावे की गिनती को राम मंदिर में बदला सिस्टम

अब बिना पॉकेट वाली डांगरी में स्टाफ करेगा गिनती

स्टाफ के लिए खास ड्रेस कोड लागू

यूनिक समय,अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाने वाले चढ़ावे की गिनती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। हाल ही में सामने आए चढ़ावा चोरी मामले के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए यह कदम उठाया है।

नई व्यवस्था के तहत अब कैश काउंटिंग करने वाले स्टाफ को विशेष डार्क ब्लू रंग की डांगरी दी जा रही है। इस ड्रेस की खास बात यह है कि इसमें कोई पॉकेट नहीं है और यह पूरी तरह से शरीर को कवर करती है, जिससे किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की संभावना को कम किया जा सके।

अब तक जहां चढ़ावे की गिनती टेबल पर होती थी, वहीं नई व्यवस्था में स्टाफ को जमीन पर बैठकर काउंटिंग करनी होगी। इसके साथ ही पूरे प्रोसेस की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गई है, ताकि हर लेन-देन की निगरानी रिकॉर्ड में रहे।

सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए काउंटिंग स्थल पर रकर सिक्योरिटी के 5 जवान, दो पुलिसकर्मी, दो बैंक कर्मचारी और ट्रस्ट के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया पर कई स्तरों पर निगरानी रखी जाएगी।

स्टाफ की एंट्री प्रक्रिया को भी सख्त किया गया है। अब काउंटिंग में शामिल कर्मचारियों की तीन बार चेकिंग होगी और दो अलग-अलग स्थानों पर सुरक्षा जांच की जाएगी। काउंटिंग दो शिफ्टों में की जा रही है-सुबह 8 बजे से 2 बजे तक और दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक।

इसी बीच चढ़ावा चोरी मामले की जांच भी तेजी से चल रही है, जिसमें कई नए खुलासे सामने आ रहे हैं। जांच में कुछ कर्मचारियों और संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी सामने आया है कि मामले से जुड़े कुछ लोगों ने अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की है, जिसकी जांच जारी है।

कुल मिलाकर राम मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की गिनती को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित, पारदर्शी और सख्त बना दिया है, खत्म की जा सके।

घर से भागी बहन लौटी तो भाई बना कातिल

यूनिक समय,मेरठ। मेरठ के लोहियानगर क्षेत्र में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि प्रेमी के साथ घर से गई युवती इलमा दो दिन बाद जब वापस लौटी तो उसके भाई ने दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया और पूछताछ में कहा कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि उसने परिवार की इज्जत के लिए यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, युवती के प्रेम संबंधों को लेकर घर में लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी कारण परिवार में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। घटना के वक्त घर में अन्य परिजन भी मौजूद थे, जिससे मामला और गंभीर हो गया और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

पनीर से दुर्गंध,मिलावटी उत्पाद देखकर चौंके एफएसडीए अधिकारी

आगरा में मिलावट का बड़ा भंडाफोड़

यूनिक समय,आगरा। आगरा के किरावली क्षेत्र के कुकथला गांव में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध डेयरी यूनिट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान टीम ने 50 किलो मिलावटी पनीर और 150 लीटर मिश्रित दूध नष्ट कराया, जबकि मौके से तीन नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह डेयरी बिना लाइसेंस के संचालित की जा रही थी और यहां साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब थी। ड्रम में रखे दूध में मक्खी-मच्छर तैरते मिले, जबकि पनीर से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह उत्पाद स्वास्थ्य के लिए बेहद असुरक्षित थे।

छापेमारी टीम ने बताया कि मौके पर लगभग 40 किलो घी भी बरामद हुआ है, जिसे संभवतः दूध से क्रीम निकालकर तैयार किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बचे हुए दूध से पनीर और क्रीम से घी तैयार कर बाजार में बेचा जा रहा था। अधिकारियों ने संचालक के खिलाफ बिना लाइसेंस उत्पादन और मिलावट के आरोप में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले कारोबारियों पर सख्त निगरानी की बात कही गई है।

इलाज के साथ समाजसेवा और खेलों में भी रच रहे मिसाल

कैंसर जागरूकता और खेलों में भी दिखा रहे कमाल

आगरा के डॉक्टर बने मिसाल

समाजसेवा और खेलों में भी बना रहे पहचान

यूनिक समय, आगरा। आगरा के कई चिकित्सक केवल मरीजों के इलाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाजसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और खेलों में भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। ये डॉक्टर रक्तदान, कैंसर और तंबाकू के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाकर समाज में सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश कर रहे हैं।

एसएन मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केएस दिनकर इस सेवा भावना का प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने अब तक 53 बार रक्तदान कर कई मरीजों की जान बचाई है। उनका कहना है कि वर्ष 2009 में एक मरीज के ऑपरेशन के दौरान रक्त की कमी को देखकर उन्होंने पहली बार रक्तदान किया था। उसी अनुभव के बाद उन्होंने इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। डॉ. दिनकर का मानना है कि रक्तदान न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि इससे मानसिक संतोष भी मिलता है और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव बढ़ता है।

वहीं एसएन मेडिकल कॉलेज की कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरभि गुप्ता कैंसर और तंबाकू के खिलाफ लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं। वे विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर बेटियों को एंटी सर्वाइकल वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका कहना है कि कैंसर मरीजों की पीड़ा ने उन्हें इस दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने तंबाकू के खिलाफ भी अभियान चलाया है ताकि लोग इस घातक आदत से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जी सकें।

इसके अलावा आगरा के कई चिकित्सक खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। 68 वर्षीय डॉ. अरुण तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग प्रतियोगिताओं में 70 से अधिक पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया है।

इन सभी चिकित्सकों की यह उपलब्धियां साबित करती हैं कि डॉक्टर केवल इलाज करने वाले नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक भी हैं। रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता और खेलों के माध्यम से ये चिकित्सक समाज के लिए प्रेरणा बन चुके हैं और नई पीढ़ी के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं।

आंख की पुतली से एनीमिया का पता लगाने का दावा

यूनिक समय,गोरखपुर। अब एनीमिया की जांच के लिए खून का सैंपल देने की जरूरत नहीं पड़ सकती। एमएमएमयूटी गोरखपुर के शोधार्थियों ने एक एआई आधारित मॉडल विकसित किया है, जो आंख की पुतली की तस्वीर देखकर बता सकता है कि व्यक्ति को एनीमिया है या नहीं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस मॉडल का परीक्षण करीब 400 मरीजों पर आठ महीने तक किया गया, जिसमें 99.18 प्रतिशत तक सटीक परिणाम मिले। इस रिसर्च को अंतरराष्ट्रीय जर्नल ईरानियन जर्नल ऑफ ब्लड एंड कैंसर में प्रकाशित किया गया है। इस प्रोजेक्ट में कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रोहित तिवारी, डॉ. सुशील कुमार सरोज और एमटेक छात्र अभिषेक राव शामिल हैं। टीम अब इस तकनीक का पेटेंट कराने की तैयारी कर रही है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि भविष्य में यह तकनीक एनीमिया जांच को आसान, तेज और बिना दर्द वाली बना सकती है। कहा कि बाहरी व्यक्ति नशे की हालत में था और उसने ही विवाद शुरू किया। इस घटना के बाद पार्टी की सुरक्षा व्यवस्था और आंतरिक अनुशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

सेक्टर-12 में बन रहा हाईटेक इनडोर स्टेडियम

छात्रों को मिलेंगी आधुनिक खेल और बेहतर सुविधाएं

यूनिक समय,नोएडा। नोएडा के सेक्टर-12 स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में इनडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस स्टेडियम का निर्माण कार्य अप्रैल माह में शुरू किया गया था और इसे अगले तीन से चार महीनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण पूरा होने के बाद यह परिसर क्षेत्र के छात्रों और खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण खेल केंद्र के रूप में विकसित होगा।

स्टेडियम बनने के बाद यहां सरकारी स्कूलों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण सत्र और अन्य खेल गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी। इससे छात्रों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी और उनकी प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलेगा। यह पूरा निर्माण कार्य अलंकार परियोजना के तहत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में खेल और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

अब मिड-डे मील के दौरान छात्रों को बैठकर भोजन करने की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए परिसर में नई बेंचें लगाई गई हैं, जिससे छात्र-छात्राएं स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में भोजन कर सकें।

विद्यालय प्रशासन का कहना है कि इन सुविधाओं के विकसित होने से छात्रों को बहुआयामी लाभ मिलेगा। एक ओर जहां उन्हें खेलों में आगे बढ़ने का बेहतर मंच मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उनका शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण भी सुधरेगा।

प्रशासन को उम्मीद है कि यह स्टेडियम भविष्य में क्षेत्र के उभरते खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

डोडा में कुदरत का कहर बाढ़ से थमी जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। सबसे अधिक असर भलेसा क्षेत्र में देखा गया, जहां तेज बहाव के साथ आए पानी, मलबे और पत्थरों ने सड़कों को नुकसान पहुंचाया और कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में राहत और सड़क साफ करने का अभियान शुरू कर दिया है तथा लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। बाढ़ के कारण कई ग्रामीण मार्ग बंद हो गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन हालात का लगातार जायजा ले रहा है और क्षति का आकलन किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम तेज कर दिया गया है ताकि सड़क संपर्क जल्द बहाल किया जा सके। मौसम विभाग ने पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। प्रशासन ने नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। लगातार बारिश के

बादल फटने से कई गांवों का संपर्क टूटा

चलते भूस्खलन का खतरा भी बना हुआ है। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़ की माछैल माता यात्रा और मिंधल माता यात्रा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। श्रद्धालुओं से स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और यात्रा शुरू करने से पहले ताजा जानकारी लेने को कहा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हिमालयी क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे हालात में समय पर चेतावनी, बेहतर आपदा प्रबंधन और संवेदनशील इलाकों में सतर्कता ही नुकसान को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है।

सेना प्रमुख ने पिता को किया सैल्यूट, भावुक हुआ देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सेना के नए थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभालने के बाद एक भावुक पल से सभी का दिल जीत लिया। गार्ड ऑफ ऑनर मिलने के बाद उन्होंने अपने पिता एवं सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ को सैल्यूट किया और उनके चरण छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उनके छोटे भाई रियर एडमिरल रवनीश सेठ ने भी उन्हें सलामी दी। यह दुर्लभ पारिवारिक दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इस अवसर पर जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना को आधुनिक

पिता के चरण छूकर लिया आशीर्वाद

तकनीक से लैस और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने सैनिकों के कल्याण, प्रशिक्षण और मनोबल को सेना की सबसे बड़ी ताकत बताया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर केजरीवाल का भाजपा पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भगवान रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या नहीं गए। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावी मंचों पर भगवान राम और राम मंदिर का उल्लेख तो करती है, लेकिन आस्था के प्रति उसका व्यवहार अलग दिखाई देता है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें यह जानकारी मिलने पर पहले विश्वास नहीं हुआ, लेकिन उपलब्ध तथ्यों की जांच के बाद उन्होंने यह सवाल सार्वजनिक रूप से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर का नाम राजनीतिक लाभ के लिए बार-बार लिया गया, जबकि भगवान राम के दर्शन के लिए समय नहीं निकाला गया। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर केजरीवाल ने कहा कि सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल केवल औपचारिकता निभा रहा है। उनके अनुसार यह जांच वास्तविक दोषियों तक पहुंचने के

जांच को बताया दिखावटी, लगाए गंभीर आरोप

बजाय मामले को दबाने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि दर्ज की गई एफआईआर और जांच प्रक्रिया केवल दिखावे के लिए है तथा असली जिम्मेदार लोगों को बचाया जा रहा है। आप संयोजक ने कहा कि यदि चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तो श्रद्धालुओं का भरोसा प्रभावित होगा। उन्होंने इस मामले में पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही घोषणा की कि वह इस मुद्दे पर गुरुवार को भी विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगे के तथ्यों को सामने रखेंगे। केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और उनके नाम पर किसी भी प्रकार की अनियमितता या राजनीति स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने राम भक्तों से अपील की कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और पारदर्शिता की मांग करें। हालांकि, भाजपा की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शहरों में तेजी से फैल रहा है ओजोन प्रदूषण

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई बड़े शहरों में ग्राउंड-लेवल ओजोन प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की छह वर्षों की अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रदूषण अब केवल गर्मियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे वर्ष स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन गया है। रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर को देश का सबसे बड़ा ओजोन हॉटस्पॉट बताया गया है। 25 शहरों के अध्ययन में दिल्ली-एनसीआर के अलावा चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में भी ओजोन का स्तर चिंताजनक पाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार,

वाहनों, उद्योगों, घरेलू ईंधन और कचरा जलाने से निकलने वाली गैसें तेज धूप के संपर्क में आकर जमीन के

दिल्ली-एनसीआर सबसे ज्यादा प्रभावित

स्तर पर ओजोन का निर्माण करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रदूषण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, सांस की नलियों में सूजन बढ़ाता है और अस्थमा जैसी बीमारियों को गंभीर बना सकता है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से हृदय रोग, स्ट्रोक और का खतरा भी बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ओजोन प्रदूषण का असर फसलों और पर्यावरण पर भी पड़ रहा है। इसलिए वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषकों पर सख्त नियंत्रण तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई गई है।

मानसून ने हिमाचल में मचाई तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के साथ ही भारी बारिश ने जनजीवन पर असर डालना शुरू कर दिया है। मंडी जिले में पहाड़ी से पत्थर गिरने की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। लगातार बारिश के कारण प्रदेशभर में 44 सड़कें बंद हैं और 254 बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप हो गए हैं। मंडी और कुल्लू सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं। कई जगहों पर भूस्खलन, मलबा आने और जलभराव से यातायात बाधित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना जताते हुए कई जिलों में येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और सतर्क रहने की अपील की है।

पुणे हत्याकांड में मोबाइल बना जांच का अहम सुराग

केतन का फोन सिया के पास सबूत मिटाने की जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड की जांच में नया खुलासा सामने आया है। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद मृतक केतन अग्रवाल का मोबाइल फोन कुछ समय तक उनकी मंगेतर सिया गोयल के पास रहा। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस दौरान फोन से कोई महत्वपूर्ण डिजिटल सबूत मिटाया गया या उससे छेड़छाड़ की गई। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को लोहागढ़ किले में केतन अग्रवाल की कथित तौर पर चटटान से धक्का देकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं। जांच में सामने आया है कि घटना से पहले सिया ने बहाने से केतन का मोबाइल अपने पास ले लिया था और बाद में उसे परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मोबाइल की फोरेंसिक जांच करा रही है। साथ ही दोनों आरोपियों के साथ घटनास्थल पर क्राइम सीन का पुनर्निर्माण भी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की गहन जांच जारी है और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप की नागरिकता नीति पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता (बर्थराइट सिटिजनशिप) को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस कोशिश को बड़ा झटका दिया है, जिसमें जन्म से नागरिकता के नियम को बदलने का प्रयास किया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी बच्चों

अमेरिका में जन्मे बच्चों का नागरिकता अधिकार बरकरार

को नागरिकता का अधिकार प्राप्त रहेगा, चाहे उनके माता-पिता की कानूनी स्थिति कुछ भी हो। यह प्रावधान वर्ष 1868 में संविधान में जोड़ा गया था। इसका उद्देश्य गृहयुद्ध के बाद सभी लोगों, विशेष रूप से दास प्रथा से मुक्त हुए नागरिकों, को समान अधिकार और नागरिकता सुनिश्चित करना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह संवैधानिक अधिकार किसी कार्यकारी आदेश के जरिए समाप्त नहीं किया जा सकता। ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि जन्म से नागरिकता का मौजूदा नियम अवैध प्रवास को बढ़ावा देता है। उनका कहना था कि कई लोग केवल अपने बच्चों को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से अमेरिका आते हैं। इसी आधार पर उन्होंने अवैध या अस्थायी रूप से रह रहे प्रवासियों के बच्चों को नागरिकता से वंचित करने के लिए कार्यकारी आदेश जारी किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 1898 के ऐतिहासिक वोंग किम अर्क मामले का हवाला देते हुए कहा कि जन्म स्थान के आधार पर नागरिकता देने का सिद्धांत अमेरिकी कानून का अभिन्न हिस्सा है और इसे बदला नहीं जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि नागरिकता का आधार माता-पिता की नागरिकता नहीं, बल्कि बच्चे का जन्म स्थान है। इस मामले में भारतीय मूल की वरिष्ठ वकील स्मिता घोष ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ महत्वपूर्ण कानूनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने ऐतिहासिक और संवैधानिक तथ्यों के आधार पर अदालत को बताया कि 14वां संशोधन सभी बच्चों को समान रूप से नागरिकता का अधिकार देता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से अमेरिका में रहने वाले लाखों भारतीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे, अस्थायी वीजा पर रह रहे या अन्य कानूनी प्रक्रियाओं से गुजर रहे भारतीयों के अमेरिका में जन्मे बच्चों की नागरिकता सुरक्षित रहेगी। भारतीय-अमेरिकी संगठनों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे संविधान और समान अधिकारों की जीत बताया है।

तेलंगाना में 2028 चुनाव से पहले सियासी घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना में 2028 विधानसभा चुनाव से पहले ही राजनीतिक माहौल गर्माने लगा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेडडी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। नितिन नवीन ने अपने तेलंगाना दौरे के दौरान दावा किया कि 2028 में राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में मिले करीब 35 प्रतिशत वोट भाजपा के बढ़ते जनाधार का संकेत हैं और कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने का आह्वान किया। इस पर मुख्यमंत्री रेवंत रेडडी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के दावे तेलंगाना में सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता केवल वादों पर नहीं, बल्कि काम के आधार पर फैसला करेगी। रेडडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी वादों का भी जिक्र करते हुए उन्हें बहस की चुनौती दी। रेवंत रेडडी के बयान के बाद भाजपा ने भी जवाबी हमला बोला। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि कांग्रेस भाजपा के बढ़ते प्रभाव से घबराई हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री व्यक्तिगत टिप्पणियां कर राजनीतिक मर्यादा का उल्लंघन कर रहे हैं। दोनों दलों के बीच बढ़ता यह टकराव संकेत दे रहा है कि तेलंगाना में चुनावी मुकाबले की तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है।

सुबह हल्की वर्षा, दिनभर छाए रहे बादल

अब छह दिन तक राहत देगा बदला मौसम

छाए रहेंगे बादल, गरज के साथ होगी बारिश

बुधवार सुबह आसमान पर छाए बादल।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार भोर में हल्की वर्षा राहत का संदेश दे गई। बादल, बयार और वर्षा से मौसम सुहावना हो गया। शीतल बयार ने गर्मी और उमस से बेहाल लोगों को बड़ी राहत दी। वैसे, शाम तक अधिकांश समय आसमान पर बादल जमे रहे। ऐसे मौसम के बीच एक और अच्छी खबर आई है। मौसम विभाग ने सात जुलाई तक आसमान पर बादल छाए रहने और चमक- गरज के साथ हल्की से मध्यम बर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है।

मंगलवार रात से ही आसमान पर काले बादलों के लंगर डालने से बारिश होने के आसार बनते रहे। भोर में हल्की से मध्यम बर्षा भी हो गई। इसके बाद शाम तक मौसम सही बना रहा। कुछ समय के लिए हल्की धूप नजर आई, जिससे उमस हो गई। इस दौरान बर्षा तो नहीं, लेकिन आसमान पर छाए बादलों की वजह से तापमान कम ही बना रहा। आज अधिकतम तापमान पांच अंक की गिरावट के साथ 34 डिग्री सेल्सियस पर रहा, जबकि न्यूनतम तापमान भी तीन अंक गिरकर 27 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। ऐसे मौसम के बीच अब जिले से जुड़ी अच्छी खबर सामने आई है। मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। सात जुलाई तक के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान में मौसम विभाग ने इन दिनों के दौरान आसमान में बादल छाए रहने एक–दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, अब जिले में जल्द मानसून सक्रिय होगा और बारिश होगी।

सावधानी की भी है जरूरत

बारिश के सीजन के दौरान तनिक लापरवाही जान लेवा साबित हो सकती है, इसलिए इस अवधि के दौरान सावधान रहने की जरूरत है। बर्षा काल में बिजली के खंभों से दूरी बनाए रखे, करंट की शिकायत होने पर विभाग को जानकारी दें। आकाशीय गर्जना के दौरान आमसान के नीचे से हट जाएं।

नियम तोड़ने पर लगाया 96,900 रुपये का जुर्माना

अवैध अतिक्रमण हटवाते अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और टीम।

अतिक्रमण हटाया 17 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त

शहर में लोगों को स्वच्छता के लिए किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। जिला प्रशासन, नगर निगम और विप्रा, ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से संयुक्त रूप से चलाए जा रहे हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान के तहत गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, जन–जागरूकता और प्रवर्तन अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीमों ने सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाया। विशेष सफाई अभियान चलाकर गार्बेज वल्नेरबल प्वाइंट (जीवीपी) समाप्त किए गए, खाली भूखंडों और सड़कों से कूड़ा हटाया गया। अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के नेतृत्व में सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी और सफाई निरीक्षक विपिन सिंह की मौजूदगी में कृष्णा नगर से मंडी चौराहे तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमण, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलीथीन के उपयोग पर कार्रवाई करते हुए 65,200 का जुर्माना लगाया गया।

नगर निगम के सभी जोनों में चलाए गए अभियान के दौरान अतिक्रमण, गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलीथीन के उपयोग,भंडारण पर कार्रवाई करते हुए कुल 96,900 का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान 17 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन भी जब्त की गई।

ऑनलाइन ई-रजिस्ट्री आदेश समाप्त

कातिब और अधिवक्ताओं ने मनाई खुशियां

ऑन लाइन ई-रजिस्ट्री आदेश को वापस लेने पर खुशियां मनाते कातिब और अधिवक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। सरकार द्वारा ई–रजिस्ट्री आदेश वापस लिए जाने के बाद बुधवार को निबंधक कार्यालय पर चल रहे धरना स्थल पर कातिबों, अधिवक्ताओं ने मिठाई बांट कर जश्न मनाया। जनपद की अन्य तहसीलों में भी आदेश वापसी का निर्देश आने पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुरुवार से निबंधक कार्यालयों में जमीनों की रजिस्ट्रियों के होने का काम शुरू होगा।

सरकार द्वारा लागू की जाने वाली ई–रजिस्ट्री आदेश के विरोध में करीब 23 दिन से दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं आदि द्वारा आंदोलन हड़ताल और धरना -प्रदर्शन किया जा रहा था। दस्तावेज लेखकों के दबाव के चलते बीते दिन मंगलवार को सरकार को इस आदेश को वापस लेना पड़ा। सरकार ने जो इस आदेश में संशोधन किए थे, उन्हें भी समाप्त कर दिया। अब पूर्व की तरह ही जमीनों की रजिस्ट्री करने की कातिबों की मांगों को मान लिया।

सरकार द्वारा आदेश की प्रति जारी होने के बाद आज निबंधन कार्यालय पर बड़ी संख्या में कातिब और अधिवक्ता आदि एकत्रित हुए।

सभी ने जीत का जशन मनाया, साथियों और दूसरे लोगों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। जीत की खुशी में मिठाई भी बांटी गई। निबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, अधिवक्ता आरके चौधरी ने बताया कि आज जनपद की सभी तहसीलों पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। अन्य तहसीलों में भी दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि कल से सभी लोग अपना काम शुरू कर देंगे।

अप्राकृतिक कृत्य करने वाले को 10 साल की कैद

कोर्ट ने लगाया 17 हजार रुपये का अर्थदंड

इंस्ट्राग्राम के माध्यम से किशोर से की थी दोस्ती

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे द्वितीय अतिरिक्त विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट पोक्सो एक्ट ब्रिजेश कुमार ने इंस्ट्राग्राम से दोस्ती कर किशोर के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने वाले को दस वर्ष का कारावास और 17 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक रामपाल सिंह, वादी के अधिवक्ता संदीप शर्मा ने बताया कि हाइवे थाना क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाले 17 वर्षीय किशोर की डी–ब्लॉक भजनपुरा थाना ईस्ट नई दिल्ली निवासी हिमांशु कौशिक पुत्र हरीश कुमार शर्मा से इंस्ट्राग्राम पर दोस्ती हो गई। वह किशोर से इंस्ट्राग्राम पर अशलील बातें करता था। हिमांशु 12 मार्च 2022 को मथुरा आया और नया बस अड्डे के समीप स्थित एक गेस्ट हाउस में ठहरा और उसने किशोर को मिलने के लिए गेस्ट हाउस में बुलाया। हिमांशु ने गेस्ट हाउस में किशोर के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। घर पहुंच कर किशोर ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। पिता ने हिमांशु कौशिक के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे द्वितीय अतिरिक्त विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट पोक्सो एक्ट ब्रिजेश कुमार की अदालत में हुई। अदालत ने हिमांशु को किशोर के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने और जान से मारने की धमकी देने का दोषी करार देते हुए उक्त सजा से दंडित किया। अभियुक्त जमानत पर था। निर्णय सुनाए जाने के बाद अदालत ने उसका सजाई वारंट बनाकर सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

आंध्र प्रदेश में हुई दुर्घटना में मल्हू के चालक की मौत

नोएडा से बाइक भरकर काकीनाड़ा गया था कल आएगा शव

यूनिक समय,सौंख। थाना मगोर्रा के गांव मल्हू के युवक की आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा क्षेत्र में सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक एक कंपनी में ट्रक चालक की नौकरी करता था। मल्हू निवासी शेर सिंह नोएडा की बाइक कंपनी में ट्रक चालक की नौकरी करता है। शनिवार को नोएडा से ट्रक में बाइक भरकर आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा जनपद के लिए गया था। सोमवार की देर रात करीब 11 बजे काकीनाड़ा क्षेत्र में अज्ञात ट्रक ने उसके ट्रक में टक्कर मार दी, जिससे चालक शेर सिंह की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश की पुलिस ने ट्रक चालक के परिवार को मंगलवार सूचना दी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई तोताराम सहित अन्य परिजन मंगलवार की रात को आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा पहुंचे। और शेर सिंह के शव को लेकर गांव मल्हू के लिए रवाना हुए। शेर सिंह का शव गुरुवार को गांव पहुंचेगा। घटना से गांव मल्हू में गमगीन माहौल है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 वां जन्मदिन मनाया

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर केक काटते पार्टी पदाधिकारी।

बच्चों के बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाते कार्यकर्ता।

2027 में पीडीए सरकार बनाने का लिया संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष- पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 वां जन्मदिन बुधवार को मथुरा–वृंदावन विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अनिल अग्रवाल के आजाद नगर, सोंख रोड स्थित कैंप कार्यालय पर मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जन्मदिन की खुशियां मनाईं और वर्ष 2027 में पीडीए सरकार बनाने का संकल्प लिया। अतिथि प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर अखिलेश यादव के दीर्घायु- स्वस्थ जीवन की कामना की। अनिल अग्रवाल ने कहा कि अखिलेश यादव का जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि वर्ष 2027 में पीडीए सरकार बनाने के संकल्प को मजबूत करने का दिन है। आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि आज प्रदेश का युवा शिक्षा, रोजगार और किसानों के सम्मान की बात कर रहा है। कार्यक्रम में महानगर महासचिव अभिषेक यादव, देवेंद्र निषाद, ऋषि अग्निहोत्री, उपदेश पांडेय,रवि दिवाकर,सतीश पटेल, हर्ष चौधरी, मोहम्मद दिलशाद, बबलू कश्यप, गजेंद्र शर्मा, लवकुश, सचिन यादव, नरेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वहीं, वृंदावन में भी पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने अखिलेश यादव का 53 वां जन्मदिन अनाथ- बेसहारा बच्चों के साथ खुशियां बांट कर मनाया। सपा के महानगर अध्यक्ष युवजन सभा अंकित वार्ष्णेय ने कहा है कि अखिलेश यादव देश के युवाओं की प्रेरणा है। युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार ने कहा है कि अखिलेश यादव ने हमेशा जनता के हित में कार्य किया है। पूर्व सभासद अखिलेश गौतम और पूर्व नगर अध्यक्ष सुजीत वार्ष्णेय ने कहा कि अखिलेश सरकार की उपलब्धियां आज भी जनता की जुबान पर हैं। इस अवसर पर दीपक गोयल, कौशल शर्मा, निखिल शर्मा तथा रोबिन सिंह आदि उपस्थित थे।

बिना फिटनेस और परमिट वाले स्कूल वाहनों पर होगी कार्रवाई

जिले में 70 स्कूल वाहनों के परमिट और 76 की फिटनेस खत्म

सात जुलाई तक दस्तावेज पूरे करने के निर्देश, इसके बाद वाहन होंगे सीज

यूनिक समय, मथुरा। स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा करने के लिए परिवहन विभाग ने जिले में मिशन सेफ फ्यूचर अभियान शुरू कर दिया है। अब कोई भी स्कूल वाहन बिना फिटनेस, परमिट या अन्य जरूरी दस्तावेजों के नहीं चल सकेगा।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने बताया कि शासन और परिवहन आयुक्त के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया गया है। परिवहन विभाग की जांच में पता चला है कि जिले के 70 स्कूल वाहनों के परमिट और 76 वाहनों की फिटनेस की अवधि समाप्त हो चुकी है। सभी स्कूल संचालकों और प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सात जुलाई तक अपने सभी वाहनों के फिटनेस, परमिट, टैक्स, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेज पूरे करा लें। उन्होंने साफ कहा कि आठ से 15 जुलाई तक जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बिना फिटनेस या बिना परमिट वाले स्कूल वाहन मिले तो उन्हें तुरंत सीज कर चालान किया जाएगा। यदि कोई स्कूल बार–बार चेतावनी के बाद भी नियमों का उल्लंघन करता मिला, तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और स्कूल की मान्यता रद करने की संस्तुति भी शिक्षा विभाग को भेजी जाएगी।